RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 27 डिग्री
न्युनतम तापमान 24 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 26 डिग्री
न्युनतम तापमान 23 डिग्री

मंगलवार 02 सितंबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06 :00 बजे
सूर्यास्त सांय 18 : 42 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 राहुल की यात्रा कामयाब : असली लक्ष्य है बिहार जीतना

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 318 | गाजियाबाद, मंगलवार 02 सितंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
BHIM UPI
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online
www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा व अन्य रसोई मसाले

अफगानिस्तान में भूकंप से प्रभावित लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए तैयार : पीएम

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को अफगानिस्तान में भूकंप के कारण हुई जानमाल की हानि पर गहरा दुख व्यक्त किया और कहा कि भारत प्रभावित लोगों को हरसंभव मानवीय सहायता एवं राहत प्रदान करने के लिए तैयार है। तालिबान सरकार के एक प्रवक्ता के अनुसार, अफगानिश्तान के पूर्वी हिस्से में आए भूकंप में कम से कम 610 लोग मारे गए हैं, 1,300 घायल हुए हैं और कई गाँव तबाह हो गए हैं। अफगानिश्तान में रविवार देर रात नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर के पास कुनार प्रांत के कई हिस्सों में 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। मोदी ने 'एक्स' पर कहा, ''अफगानिश्तान में भूकंप के कारण हुई जानमाल की हानि से बहुत दुखी हूं। इस कठिन घड़ी में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोकसंतप्त परिवारों के साथ हैं, हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। भारत प्रभावित लोगों को हरसंभव मानवीय सहायता और राहत प्रदान करने के लिए तैयार है।''

मोदी जापान और चीन की चार दिन की सफल यात्रा के बाद स्वदेश रवाना

✷ वेबवार्ता. तियांजिन ✷। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जापान और चीन की चार दिन की सफल यात्रा के बाद सोमवार को यहां से स्वदेश रवाना हो गये। श्री मोदी गुरुवार रात दो दिन की यात्रा पर जापान पहुंचे थे, जहां उन्होंने भारत जापान आर्थिक मंच की बैठक तथा जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के साथ 15वें वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लिया। इस दौरान दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हश्ताक्षर किये गये। प्रधानमंत्री सेंडाई शहर भी गए जिसे जापान का सेमीकंडक्टर हब माना जाता है। श्री मोदी जापान से शनिवार शाम को चीन पहुंचे। यहां उन्होंने रविवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक के अलावा शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के अन्य सदस्य देशों के नेताओं के साथ साथ अलग अलग बैठक की।

गेटवे ऑफ इंडिया पर नए यात्री जेटी के निर्माण पर याचिका खारिज

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट ने दक्षिण मुंबई में ऐतिहासिक 'गेटवे ऑफ इंडिया' पर नए यात्री जेटी और टर्मिनल के निर्माण को मंजूरी देने वाले मुंबई उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ याचिका सोमवार को खारिज कर दी, जिससे इस परियोजनाओं पर काम जारी रहेगा। उच्च न्यायालय ने 15 जुलाई को गेटवे ऑफ इंडिया के निकट महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड (एमएमबी) द्वारा प्रशतावित 229 करोड़ रुपये की लागत वाली यात्री जेटी और टर्मिनल सुविधा के निर्माण को चुनौती देने वाली तीन याचिकाओं को खारिज कर दिया था। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ लॉरा डी सूजा द्वारा दायर अपील को खारिज करते हुए कहा कि यह मुद्दा सरकार के नीतिगत अधिकार क्षेत्र में आता है।

ममता का खाद्य सुरक्षा का दावा गरीबों के साथ मजाक : भाजपा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के राज्य में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के दावे का खंडन करने के लिए भाजपा ने सोमवार को पांचवें राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों का हवाला दिया और आरोप लगाया कि उनका दावा गरीबों के साथ क्रूर मजाक के अलावा कुछ नहीं है। भारतीय जनता पार्टी के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय के अनुसार, बंगाल में छह से 59 महीने की उम्र के 69 प्रतिशत बच्चे खून की कमी (एनीमिया) से पीड़ित हैं, जबकि चौथे सर्वेक्षण में यह संख्या 54 प्रतिशत बताई गई थी।

आतंकवाद साझा चुनौती, दोहरा मापदंड मंजूर नहीं : पीएम

✷ वेबवार्ता. तियांजिन/नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद को विकास की राह में बड़ी बाधा करार देते हुए कहा कि शंघाई सहयोग संगठन(एससीओ) के सभी सदस्य देशों को इस मुद्दे पर दोहरा मापदंड छोड़कर मानवता के खिलाफ इस साझा चुनौती का एकजुट होकर विरोध करने के अपने दायित्व को निभाना होगा।

श्री मोदी ने सोमवार को यहां शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के राष्ट्र प्रमुखों के 25 वें शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए आतंकवाद के मुद्दे पर पूरी मजबूती के साथ भारत का पक्ष रखते हुए कहा कि सुरक्षा, शांति और स्थिरता किसी भी देश के विकास का आधार होते हैं लेकिन आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद इस राह में बड़ी चुनौतियाँ हैं।

उन्होंने कहा कि आतंकवाद सिर्फ किसी देश की सुरक्षा ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक साझा चुनौती है। कोई देश, कोई समाज, कोई नागरिक अपने आप को इससे सुरक्षित नहीं समझ सकता। इसीलिए आतंकवाद से लड़ाई में भारत ने हमेशा एकजुटता पर बल दिया है।

श्री मोदी ने कहा कि भारत पिछले चार दशकों से निर्मम आतंकवाद का दंश झेल रहा है। कितनी ही माताओं ने अपने बच्चे खोए और कितने बच्चे अनाथ हो गए। पहलगाम आतंकवादी हमले को आतंकवाद का घिनौना चेहरा बताते हुए उन्होंने कहा, " हाल ही में, हमने पहलगाम में आतंकवाद का बहुत ही घिनौना रूप देखा। इस दुःख की घड़ी में, जो मित्र देश हमारे साथ खड़े रहे, मैं उनका आभार व्यक्त करता हूँ। यह हमला केवल भारत की अंतरात्मा पर ही आघात नहीं था, यह मानवता में विश्वास रखने वाले हर देश, हर व्यक्ति को खुली चुनौती थी।"

आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों का नाम लिए बिना उन्होंने इन देशों को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा, " ऐसे में प्रश्न उठना स्वाभाविक हैः क्या कुछ देशों द्वारा आतंकवाद का खुलेआम समर्थन हमें स्वीकार्य हो सकता है?" श्री मोदी ने आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरा मापदंड अपनाने वाले देशों को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आतंकवाद का विरोध करना सभी का दायित्व है और इस मुद्दे पर दोहरा मापदंड मंजूर नहीं होगा। उन्होंने कहा," हमें स्पष्ट रूप से, और एक स्वर में, कहना होगा कि, आतंकवाद पर कोई भी दोहरा मापदंड स्वीकार्य नहीं होगा। हमें मिलकर, आतंकवाद का हर रंग में, हर रूप में, विरोध करना होगा। ये मानवता के प्रति हमारा दायित्व है।"

आतंकवाद के वित्त पोषण के खिलाफ भारत की मुहिम का उल्लेख करते हुए कहा," भारत ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकता पर ज़ोर दिया है...भारत ने संयुक्त सूचना अभियान का नेतृत्व करके अल-कायदा और उससे जुड़े आतंकवादी संगठनों से लड़ने की पहल की।

अफ़ग़ानिस्तान भूकंप में मृतकों की संख्या बढ़कर 622 हुई, 1,555 घायल

✷ वेबवार्ता. काबुल ✷

पूर्वी अफ़ग़ानिश्तान के कुनार और नांगरहार प्रांतों में आये भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 622 हो गयी है। इस प्राकृतिक आपदा में 1,555 अन्य घायल हुए हैं।

गृह मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि कुनार में भूकंप से मरने वालों की संख्या 610 हो गई है और यहां 1,300 लोग घायल हुये हैं। इस आपदा में अनेक घर ध्वश्त हो गये हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मतीन कानी के अनुसार, नांगरहार में 12 लोग मारे गये हैं और 255 अन्य घायल हुये हैं। यहां काफी घरों को नुकसान हुआ है। प्रवक्ता ने बताया कि सुरक्षा, चिकित्सा, परिवहन, खाद्य और सहायता टीमों ने आपदा प्रभावित लोगों को तत्काल सहायता प्रदान करने के अपने प्रयास तेज़ कर दिए हैं।

स्थानीय मीडिया टोलोन्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा, गृह और जन स्वास्थ्य मंत्रालयों के राहत और बचाव दल घायलों की मदद के लिए पहुँच गए हैं। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण के अनुसार रविवार को स्थानीय समयानुसार रात 11:47 बजे अफ़गानिस्तान के पूर्वी भाग में 6.0 तीव्रता का भूकंप आया था। भूकंप का केंद्र नांगरहार प्रांत की राजधानी जलालाबाद से 27 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में जमीन से आठ किलोमीटर की गहराई पर स्थित था।

वोट चोरी का अब तक का खुलासा एटम बम है, अगला खुलासा हाइड्रोजन बम होगा, धन्यवाद बिहार : राहुल गांधी

✷ वेबवार्ता. पटना ✷

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने आज को कहा कि अभी तक हुआ वोट चोरी का खुलासा तो एटम बम था अब आगे जिस खुलासे को उनकी पार्टी सामने लाने वाली है वह हाइड्रोजन बम होगा जिसके बाद चुनाव आयोग और भाजपा मुंह दिखाने लायक नही रहेगी।

श्री गांधी ने बिहार में सोमवार को समाप्त हुई वोटर अधिकार यात्रा के समापन समारोह में कहा कि महाराष्ट्र के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के गठबंधन को जीत मिली थी लेकिन चार महीने बाद हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गठबंधन ने उन्हें बुरी तरह हरा दिया।

उन्होंने कहा कि ताज्जुब की बात थी कि कांग्रेस गठबंधन के वोट कम नही हुए थे लेकिन विपक्षी गठबंधन के वोट काफी बढ़ गए थे। उन्होंने कहा कि बाद में उनकी पार्टी ने जांच की तो पता चला कि महाराष्ट्र में करोड़ो फर्जी वोट भाजपा और चुनाव आयोग कि मिलीभगत से जोड़े गए हैं।

श्री गांधी ने कहा कि ऐसा ही बेंगलुरु सेंट्रल की एक विधानसभा सीट पर हुआ और हमारी तरफ से जांच की गई तो पता चला कि एक लाख फर्जी वोट जोड़े गए हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि इसके बाद जब बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान 65 लाख वोट काट लिए गए तो चुनाव आयोग की चोरी जगजाहिर हो गयी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों की वोटर अधिकार यात्रा का जन्म यहीं से हुआ।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष श्री गांधी ने कहा कि जिन शक्तियों ने महात्मा गांधी की हत्या की थी वही अब बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर के संविधान की हत्या करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि वोट का अधिकार सुरक्षित नही रहेगा तो दूसरे अधिकार, रोजगार शिक्षा और युवाओं का भविष्य भी सुरक्षित नही रहेगा। उन्होंने कहा कि यह सरकार अडानी, अम्बानी और अमीरो को फायदा पहुंचाने के लिए गरीबो की जमीन और नागरिक अधिकार छीन लेगी। श्री गांधी ने बिहार के लोगो को उत्साह से वोटर अधिकार यात्रा में भाग लेने और देश की राजनीति को नई दिशा देने के लिए धन्यवाद दिया

बिना सहयोग के जलवायु परिवर्तन पर कार्रवाई के लिए नहीं बचेगा समय : कॉप30 अध्यक्ष

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कॉप30 के अध्यक्ष आंद्रे कोरेया डू लागो ने सोमवार को चेतावनी दी कि बिना सहयोग के जलवायु परिवर्तन पर कार्रवाई करने के लिए दुनिया के पास 'समय समाप्त' होने का खतरा है। उन्होंने विकसित और विकासशील देशों के बीच राजनीतिक और वित्तीय खाई को पाटने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने जलवायु वार्ता में शामिल होने के प्रति अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अनिच्छा की भी आलोचना की। कोरेया डू लागो ने संवाददाताओं से कहा, ''हम समझते हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप मेरी बात नहीं सुनेंगे। और समस्या यह है कि वह विशिष्ट देशों के उत्सर्जन के बारे में बात नहीं करना चाहते।''

ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते से अमेरिका को अलग कर लिया है। यह दूसरी बार है जब उन्होंने अमेरिका को समझौते से बाहर निकलने का निर्देश दिया है। उन्होंने अपने पहले प्रशासन के दौरान ऐसा किया था और बाइडन प्रशासन के तहत अमेरिका फिर से इसमें शामिल हो गया। कोरेया डू लागो ने स्वीकार किया कि जलवायु वार्ता लंबे समय से विकसित और विकासशील देशों के बीच एक तीव्र विभाजन का प्रतीक रही है।

उन्होंने कहा कि गरीब देश लगातार इस बात पर ज़ोर देते हैं कि धनी देश स्वच्छ विकास के साधन उपलब्ध कराएं, जबकि विकसित देश अक्सर पर्याप्त समर्थन दिए बिना केवल प्रतिबद्धताएं हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उन्होंने कहा, ''यह विभाजन बहुत गहरा है।''

कॉप30 प्रमुख ने कहा कि इस अंतर को पाटना बेहद ज़रूरी है। उन्होंने कहा, ''हमें इसे पाटने की कोशिश करनी होगी क्योंकि विज्ञान हमें बताता है कि हमारे पास बहुत कम समय है।''

उन्होंने कहा कि असली चुनौती 'सही होने' की नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने की है कि जलवायु कार्रवाई से रोज़गार पैदा हों, जीवन में सुधार हो और एक नई, हरित अर्थव्यवस्था को गति मिले। कोरेया डू लागो ने कहा, ''आज, जलवायु परिवर्तन पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। हमारी अधिकांश गतिविधियों

में बदलाव लाना होगा। यह केवल पर्यावरणीय कार्रवाई के बारे में नहीं है, बल्कि निवेश, नवाचार और एक नई अर्थव्यवस्था के निर्माण के बारे में है।'' उन्होंने कहा, ''अंततः, जलवायु परिवर्तन के लिए आर्थिक समाधान की आवश्यकता है।

हमारे देश प्रतिभा, उद्यमियों और सक्षम सरकारों से समृद्ध हैं जो विकास के इस नए मार्ग की कल्पना कर सकते हैं और उसका नेतृत्व कर सकते हैं।'' कॉप30 का आयोजन नवंबर 2025 में ब्राज़ील के बेलेम में होगा और यह अमेज़न क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन का पहला आयोजन करेगा। ब्राज़ील और भारत में हुई प्रगति का हवाला देते हुए, उन्होंने जैव ईंधन के माध्यम से साओ पाउलो में वायु प्रदूषण में 'अद्भुत' कमी पर प्रकाश डाला और कहा कि भारत भी इसी तरह के कदम उठा रहा है। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि ऐसे समाधान महंगे हो सकते हैं। उन्होंने इन्हें किफ़ायती बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग का आह्वान किया।

कॉप30 की सीईओ एना टोनी ने लागो के संदेश को दोहराते हुए इस बात पर ज़ोर दिया कि प्रदूषण नियंत्रण स्वास्थ्य और जलवायु लक्ष्यों को जोड़ने का एक अवसर प्रदान करता है।

उन्होंने कहा, ''कॉप30 में, हम वाश्तव में उन कार्यों में तेजी लाने का प्रयास कर रहे हैं जो विकास, जन कल्याण और समृद्धि, दोनों में सहायक हों।'' उन्होंने विशेष रूप से वायु गुणवत्ता और मीथेन उत्सर्जन में कमी को विशेष ध्यान देने वाले क्षेत्रों के रूप में इंगित किया और कहा कि विकासशील देशों में स्वच्छ परिवहन गरीबी से निपटने, बच्चों के स्वास्थ्य की रक्षा करने और उत्सर्जन में कटौती करने में एक साथ सक्षम हो सकता है।

बिहार मतदाता सूची, दावे या आपत्तियां एक सितंबर बाद भी : सुप्रीम कोर्ट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मसौदा मतदाता सूची तैयार करने के लिए पूर्व निर्धारित समय सीमा (1 सितंबर) के बाद भी राज्य के निवासियों के दावे या आपत्तियां स्वीकार करने की चुनाव आयोग को सोमवार अनुमति दे दी।

इस साल जून में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत बिहार में मसौदा मतदाता सूची तैयार करने का शुरू किया गया। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अनुमति देते हुए चुनाव आयोग की इस दलील पर गौर किया कि नामांकन (इस साल निर्धारित विधानसभा चुनाव) की अंतिम तिथि से पहले दायर किए गए सभी दावों या आपत्तियों पर विचार किया जाएगा।

शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय जनता दल और एआईएमआईएम द्वारा दावे और आपत्तियाँ दायर करने की समय सीमा दो सप्ताह बढ़ाने के लिए दायर आवेदनों पर विचार करते हुए यह अनुमति दी।

शीर्ष अदालत के समक्ष चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी कहा कि दावे या आपत्तियाँ एक सितंबर की समय सीमा के बाद भी प्रस्तुत की जा सकती हैं। मतदाता सूची को अंतिम रूप दिए जाने के बाद उन पर विचार किया जाएगा। अधिवक्ता द्विवेदी ने आश्वासन दिया कि यह प्रक्रिया नामांकन की अंतिम तिथि तक जारी रहेगी और सभी शामिल या हटाएं गए नामों को जांच प्रताल के बाद अंतिम सूची में शामिल किया जाएगा।

न्यायालय ने आपत्तियाँ दर्ज कराने में संबंधित व्यक्तियों की सहायता के लिए अर्ध-विधिक स्वयंसेवकों की तैनाती का भी निर्देश दिया। साथ ही, राजनीतिक दलों से भी इस प्रक्रिया में सक्रिय होने को कहा। पीठ के समक्ष श्री द्विवेदी ने कहा कि 7.24 करोड़ मतदाताओं में से 99.5 फीसदी ने अपने फॉर्म दाखिल कर दिए हैं।

भाजपा-आरएसएस नीतीश को वहां फेंक देंगे जहां कचरा फेंकते हैं : खरगे

✷ वेबवार्ता. पटना ✷

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की 'झोली में गिरने' तथा विचारधारा से समझौता करने का आरोप लगाया और दावा किया कि भाजपा-आरएसएस उन्हें वहीं फेंक देंगे जहां कचरा फेंका जाता है।

उन्होंने 'वोटर अधिकार यात्रा' के समापन के मौके पर यह दावा भी किया कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के बाद 'डबल इंजन सरकार' नहीं होगी और महागठबंधन की सरकार बनेगी जो गरीबों, महिलाओं, दलितों और पिछड़ों की सरकार होगी।

खरगे ने कहा, 'आज पूरे देश में 'वोटर अधिकार यात्रा' की चर्चा हो रही है। भाजपा ने इस यात्रा को रोकने की पूरी कोशिश की, लेकिन बिहार की जनता, राहुल गांधी जी, तेजस्वी यादव और महागठबंधन के नेता नहीं रुके। आखिर में हमारी 'वोटर अधिकार यात्रा' पूरी हुई।' उन्होंने दावा किया नरेंद्र मोदी बिहार में वोट चोरी करके चुनाव जीतना चाहते हैं, लेकिन हम सभी को सतर्क रहना होगा।

खरगे का कहना था, 'बाबा साहेब आंबेडकर जी, गांधी जी, नेहरू जी ने देश के लोगों को वोट का अधिकार दिया है और हमें इस अधिकार को खोने नहीं देना है।' खरगे ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा, 'नीतीश कुमार एक जमाने में समाजवाद की विचारधारा की बात करते थे। पूरे देश में जाकर लोहिया, जॉर्ज फर्नांडिस के गुण गाते थे और अब भाजपा-आरएसएस की झोली में जा गिरे हैं।' उन्होंने दावा किया कि एक दिन नीतीश कुमार को भाजपा-आरएसएस वाले वहां फेंक देंगे जहां कचरा फेंका जाता है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कथित वोट चोरी का जिक्र किया और जनता का आह्वान किया, 'बिहार के लोग सतर्क रहें क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह आपको डूबा देंगे।' 'वोटर अधिकार यात्रा' 25 जिलों में 110 से अधिक विधानसभा क्षेत्रों से गुजरी और इसमें 1300 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की गई। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, द्रमुक नेता और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री तथा पार्टी के कई वरिष्ठ नेता इस यात्रा में शामिल हुए। सासाराम से 17 अगश्त को निकाली गई इस यात्रा को विधानसभा चुनाव से पहले महागठबंधन के व्यापक चुनाव अभियान के तौर पर देखा जा रहा है। इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

वाहन पर पहाड़ी से मलबा गिरा, दो लोगों की मौत, कई घायल

✷ वेबवार्ता. रुद्रप्रयाग/देहरादून ✷

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जनपद में सोमवार को एक वाहन पर पहाड़ी से

मलबा गिरने से दो लोगों की मौत हो गयी तथा अन्य कई घायल हो गए।

अभी तक वाहन से दो शव निकाले जा चुके हैं। जबकि तीन गंभीर घायलों को हाई सेंटर और अन्य को प्राथमिक उपचार दिया जा रहा है। वाहन में कुल ग्यारह (11) यात्री सवार थे।

राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) के सेनानायक (कमांडेंट) अर्पण यदुवंशी ने बताया कि आज प्रातः लगभग 7:34 बजे मुनकटिया क्षेत्र में एक वाहन के ऊपर अचानक मलबा गिरने से उसमें सवार 11 लोग प्रभावित हुए। इस हादसे में दो व्यक्तियों की मौके पर ही मृत्यु हो गई है। जबकि ती लोग गंभीर रूप से घायल हो गए तथा अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीम ने सोनप्रयाग भेजा है। जहां से दो गंभीर घायलों को उच्चतर केंद्र रेफर किया गया है।

हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग एवं आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंचीं। फाटा, सोनप्रयाग एवं गुप्तकाशी से कुल 4 एंबुलेंस (108 एवं अन्य) मौके पर सक्रिय की गईं।सभी घायलों का उपचार एमआरपी सोनप्रयाग में डॉ. प्रियंका, डॉ. गौरव एवं डॉ. जयदीप अपनी टीम के साथ कर रहे हैं। गंभीर घायलों एवं मृतकों को आवश्यक कार्यवाही उपरांत जिला चिकित्सालय भेजा जा रहा है।

बदमाशों ने दुकानदार के कनपटी पर तमंचा लगाकर लूटा

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना खैर क्षेत्र के अंडला गांव में सोमवार सुबह बदमाशों ने जन सेवा केंद्र संचालक से लूट की वारदात को अंजाम दिया। कनपटी पर तमंचा लगाकर बदमाश 35 हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन और अन्य सामान लूटकर फरार हो गए। घटना से क्षेत्र में खलबली मच गई।

जानकारी के अनुसार, खैर के तेहरा गांव निवासी संदीप अलीगढ़-पलवल रोड स्थित अंडला बस स्टैंड के सामने जन सेवा केंद्र चलाते हैं। सोमवार सुबह वह केंद्र का शटर खोल रहे थे। तभी बाइक सवार दो युवक आए और खाते से 10 हजार रुपये निकालने की बात कही। संदीप ने उन्हें इंतजार करने को कहा, इसी दौरान बदमाशों ने उन पर तमंचा तानकर लूट कर ली।

लूट के बाद संदीप ने शोर मचाया तो लोग मौके पर जुट गए। सूचना मिलने पर पुलिस कंट्रोल रूम को जानकारी दी गई। आरोप है कि पुलिस देर से पहुंची। सुबह-सुबह हुई इस वारदात से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। घटना की जानकारी मिलने पर डायल 112 की पीआरवी और थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

हथकड़ी में बंदी के मस्त घूमने का वीडियों वायरल

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

कलक्ट्रेट परिसर का एक वीडियो सामने आया है, वीडियो में एक बंदी के हाथ में हथकड़ी पड़ी है, उसे किसी पुलिसकर्मी ने पकड़ भी नहीं रखा। हथकड़ी में बंदी के मश्त घूमने का एक वीडियो वायरल हो रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना सासनीगेट अंतर्गत एक पति-पत्नी के विवाद में आरोपी बंदी श्यामवीर को सिटी मजिस्ट्रेट के यहां पेशी पर लाया गया। इस पूरे मामले में बंदी को लेकर पहुंचे पुलिसकर्मियों की बड़ी लापरवाही सामने आई है। पुलिस अधीक्षक नगर सिटी मृगांक शेखर पाठक ने बताया कि युवक को शांति भंग के आरोप में लाया गया था। पुलिस कर्मियों की लापरवाही के ममले में जांच की जा रही है। दोषी मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सपा छात्र सभा ने किया प्रदर्शन, जलभराव का किया विरोध प्रदर्शन

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जरा सी बारिश होने के बाद ही पूरे शहर में जलभराव की स्थिति बन जाती है। वहीं टूटी सड़कों के कारण आम जनों को और ज्यादा परेशान होना पड़ता है। टूटी सड़कों और जलभराव के विरोध में समाजवादी छात्र सभा महानगर अलीगढ़ ने केला नगर चौराहा के पास इलाके में सोमवार को जमकर प्रदर्शन किया और नगर निगम मुर्दाबाद के नारे लगाए।

सपा छात्र सभा महानगर अध्यक्ष मौ मोहसिन मेवाती का कहना है कि नगर निगम के सारे दावे खोखले हैं। अधिकारियों के भ्रष्टाचार के कारण आमजनों को परेशान होना पड़ता है।

मौ मोहसिन मेवाती के साथ यूथ ब्रिगेड महानगर अध्यक्ष हसमुद्दीन अल्वी महानगर कोषाध्यक्ष छात्र सभा आबिद मलिक महानगर सचिव सैय्यद दानिश अली ने बारिश के पानी में ही सड़क पर जमकर नारेबाजी की। उनहोंने नगर निगम शर्म करो और शर्म से डूब मरो जैसे नारे लगाए। यूथ ब्रिगेड महानगर अध्यक्ष हसमुद्दीन अल्वी ने कहा अलीगढ़ स्मार्ट सिटी नहीं बल्कि अलीगढ़ वॉटर सिटी नाम रख देना चाहिए। आबिद मलिक ने कहा पूर्व राजपाल कल्याण सिंह और मंत्री संदीप सिंह के घर के बिल्कुल नजदीक इलाके में सड़कें टूटी हुई हैं और बारिश के बाद यहां भीषण जलभराव हो जाता है।

बड़ी धूमधाम से मनाया गया विदाई समारोह

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अकराबाद निवासी डॉ अरुण कुमार शर्मा का विदाई समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया गया। डॉ शर्मा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिजौली में नेत्र परीक्षण अधिकारी के रूप में कार्यरत थे, डॉ शर्मा पूर्व ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र कुमार शर्मा के पुत्र है।

उनके भाई एवं कांग्रेस के प्रदेश सचिव अखिलेश शर्मा द्वारा विदाई समारोह के उपलक्ष्य में राधा रानी की भजन संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में विधायक अनिल पाराशर, विधायक रवेंद्र पाल सिंह, पूर्व सपा जिला अध्यक्ष गिरीश यादव, सपा नेता राजेश यादव,नेत्र चिकित्सक डॉ. पी के शर्मा, महिला कांग्रेस की महासचिव प्रतिमा सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष गिरवर शर्मा, जिला पंचायत सदस्य विजेंद्र यादव, संजय दिवाकर, बबलू होलकर, गजेंद्र वर्मा,पूरनमल प्रजापति,जैकी ठाकुर, संदीप सिंह, नीतू ठाकुर, अज्जु ठाकुर, प्रधान अजय सिंह, विक्रम सिंह, अबधेश शर्मा, संजय शर्मा, अजय शर्मा, सत्यप्रकाश शर्मा पूर्व प्रधान, गुड्डू मेव आदि सेकड़ों लोग उपस्थित थे।

ट्रंप टैरिफ की मार से मुंबई का समुद्री खाद्य उद्योग बेहाल

मुंबई, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले महीने भारत पर टैरिफ को बढ़ाकर 50 फीसदी करने का असर देश की आर्थिक राजधानी मुंबई स्थित दुनिया के सबसे बड़े समुद्री खाद्य बाजार (सी फूड मार्केट) पर बुरा असर पड़ा है। 27 अगस्त से लागू हुए 50 फीसदी टैरिफ ने अमेरिका को निर्यात होने वाले फ्रोजन समुद्री सी फुड के निर्यात पर बुरा असर डाला है क्योंकि पहले इस पर जहां सिर्फ 10 फीसदी टैरिफ लगता था, उसे बढ़ाकर पहले 25 फीसदी किया गया और अब यह 50 फीसदी हो चुका है। इसकी वजह से वैसे हजारों परिवारों की आजीविका पर बुरा असर पड़ा है, जो दशकों से और पीढ़ियों से सी फूड के कारोबार में फलते-फुलते रहे हैं।

महाराष्ट्र के सबसे व्यस्त और सबसे बड़े समुद्री खाद्य निर्यात केंद्रों में से एक, मुंबई के ससून डॉक में, समुद्री खाद्य पदार्थों को उतारने, पकड़ने, नीलामी और प्रसंस्करण की सामान्य हलचल के बावजूद एक चिंता का माहौल है। यहाँ का यह उद्योग, जिसने दशकों से अनगिनत परिवारों का पेट भरा है, अब अनिश्चितता के भंवर में फंसा है और अनिश्चित भविष्य का सामना कर रहा है।

एक महीने के अंदर 10 से 50 फीसदी हुआ टैरिफः मुंबई पोर्ट अथॉरिटी द्वारा गोदामों को अन्य व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए पट्टे पर दिए जाने के कारण ससून डॉक में मछली पकड़ने का उद्योग पहले से ही विलुप्त होने के खतरे का सामना कर रहा है। ट्रंप के टैरिफ ने इस उद्योग को और भी संकट में डाल दिया है। एक महीने के अंदर ही टैरिफ को 10 फीसदी से बढ़ाकर 50 फीसदी करने पर निर्यातकों और नीलामकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि इससे लाभदायक रहा सी फूड इंडस्ट्री नष्ट होने की कगार पर जा रहा है।

महिलाओं की आय पर खतराः समुद्री उत्पाद नीलामी संघ के अध्यक्ष वसंत भुचाड़े ने कहा, अगर भारत सरकार ट्रंप टैरिफ का कोई हल नहीं निकालती है, तो निर्यातक इन मछुआरों को महत्व नहीं देंगे। व्यापारी और निर्यातक नीलामी के दौरान सस्ती दर की माँग करेंगे, और मछुआरे, जो आमतौर पर झींगों से अच्छी कमाई करते हैं, फिर झींगों के लिए पानी में जाने की ज़हमत नहीं उठाएँगे। इसका व्यापक प्रभाव झींगों के छिलके उतारने वाली महिलाओं की आय भी छीन लेगा। झींगे हमारे मछली पकड़ने के काम का मुख्य आधार हैं, और यह टैरिफ पूरे उद्योग को खतरे में डाल देगा।

साल के 300 दिन रोजाना 30 टन झींगे का निर्यातः अनुमानों के अनुसार, ससून डॉक साल के लगभग 300 दिन रोजाना लगभग 30 टन झींगे का निर्यात करता है। एक किलो झींगे की कीमत 300 रुपये के करीब होती है, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है। मॉनसून में मछली पकड़ने पर दो महीने के प्रतिबंध के कारण, यह उद्योग पहले ही धीमा पड़ गया है। अब ट्रंप टैरिफ ने इस पर संकट ही ला दिया है। कोलाबा के ससून डॉक में 12,000 से ज़्यादा परिवार झींगे छीलने वाले हैं। सुबह से शाम तक ये लोग झींगा ही छिलते हैं और उसी पर आश्रित हैं। इन सबके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा होने वाला है। समुद्री झींगे के दाम आकार के आधार पर लगभग 300 रुपये प्रति किलो रहते हैं। अब, 50प्रतिशत टैरिफ के साथ, निर्यातक इस कीमत को 250 या 225 रुपये प्रति किलो तक कम कर सकते हैं। इसका सीधा असर मछुआरों पर पड़ेगा, ठीक वैसे ही जैसे गिरती कीमतों ने अन्य क्षेत्रों के किसानों को तबाह कर दिया है।

सड़क हादसे के आरोपी को 27 साल बाद किया दोषमुक्त

गाजियाबाद , एजेंसी।
गाजियाबाद में सड़क दुर्घटना करने के आरोप में अदालत ने एक आरोपी को 27 साल के बाद दोषमुक्त किया है। पीड़ित पक्ष को आरोपी पर दोषसिद्ध करने के कई अवसर दिए गए लेकिन उनकी तरफ से कोई पुख्ता सबूत पेश नहीं किया जा सका। मामला साहिबाबाद थाना क्षेत्र का है।

अदालत से मिली जानकारी के मुताबिक 28 फरवरी 1998 को लोनी निवासी राजेंद्र सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उनके मुताबिक उसका भतीजा कुलदीप सिंह रात करीब 11 से 12 बजे के बीच मोहन नगर की तरफ से भौपुरा की तरफ साइकिल से जा रहा था। मोहन नगर की तरफ से तेज रफ्तार और लापरवाही से आते एक ट्रक ने कुलदीप की साइकिल को टक्कर मार दी। जिससे वह घायल हो गया। घायल अवस्था में कुलदीप को मोहन नगर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी मौत हो गई। तहरीर के आधार पर साहिबाबाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के साथ जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने अपनी जांच में ट्रक नंबर के आधार पर 2008 में साहिबाबाद निवासी अयूब अली को दुर्घटना का अपराधी बनाते हुए अदालत में आरोप पत्र पेश कर दिया। मामले की सुनवाई अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट संख्या-7 नीरज सिंह की अदालत में चल रही थी। सुनवाई के दौरान अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसके ऊपर जो आरोप लगाए गए हैं वह पूरी तरह से गलत है। उसे झूठा फंसाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर अभियोजन की ओर से कई बार मौका दिए जाने के बाद भी वह कोई भी साक्षी अदालत के समक्ष पेश नहीं कर सका। जिस कारण अभियोजन इस मामले में अभियुक्त पर जो भी आरोप लगाए थे उन्हें सिद्ध नहीं कर पाया। इस कारण अदालत ने अयूब अली को 27 साल के बाद ट्रक से दुर्घटना करने को आरोप से दोषमुक्त कर दिया। इसके साथ ही आरोपी के जमानतियों के बंधपत्र भी निरस्त करने का फैसला सुनाया।

इसी माह के दूसरे सप्ताह में मणिपुर का दौरा कर सकते है पीएम मोदी !

इंफाल, एजेंसी।
क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मणिपुर का दौरा करने वाले हैं? इस सवाल का जवाब मिल गया है। मणिपुर सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने रविवार को बताया कि अब तक इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है कि पीएम मोदी सितंबर के दूसरे सप्ताह में राज्य का दौरा करेंगे। मीडिया के एक वर्ग में आई खबरों में कहा गया है कि राज्य में दो साल पहले शुरू हुए जातीय संघर्ष के बाद से यह प्रधानमंत्री का पहला दौरा होगा। खबरों के अनुसार, मोदी सितंबर के दूसरे सप्ताह में मणिपुर का दौरा करेंगे।

विपक्षी कर रहे हैं आलोचनाः मणिपुर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य लैशेम्बा सनाजाउबा ने भी कहा कि उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि प्रधानमंत्री पड़ोसी राज्य मिजोरम के दौरा के अपने कार्यक्रम के समय राज्य का दौरा करेंगे। विपक्षी दल मणिपुर का दौरा न करने के लिए प्रधानमंत्री की आलोचना करते रहे हैं। मणिपुर में मई 2023 से मेइती और कुकी समुदायों के बीच हिंसा में कम से कम 260 लोग मारे गए और हजारों लोग बेघर हो गए। राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'नहीं, अब तक हमें केंद्र सरकार से इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं मिली है कि प्रधानमंत्री सितंबर के दूसरे सप्ताह में मणिपुर का दौरा करेंगे।' पीटीआई-भाषा द्वारा संपर्क किए जाने पर कुछ अन्य अधिकारियों ने भी इसी तरह के बयान दिए। मीडिया के एक वर्ग में आई खबरों के अनुसार, मोदी सितंबर में मिजोरम की अपनी यात्रा के साथ-साथ मणिपुर का भी दौरा कर सकते हैं।

तीन दशकों बाद कश्मीर में फिर खुला शारदा भवानी मंदिर, मुस्लिम बोले- घाटी पंडितों की जन्मभूमि

श्रीनगर, एजेंसी।
कश्मीरी पंडित समुदाय ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में शारदा भवानी मंदिर को तीन दशकों से भी ज्यादा समय बाद फिर से खोल दिया। इस समारोह में स्थानीय मुस्लिम समुदाय की भारी भागीदारी रही। मध्य कश्मीर जिले के इचकूट गांव में मुहूर्त और प्राण प्रतिष्ठा के साथ आयोजित इस समारोह में कश्मीरी पंडित परिवारों का एक ग्रुप 1990 के दशक की शुरुआत में कश्मीर घाटी में उग्रवाद भड़कने के बाद पहली बार अपने पैतृक स्थान पर लौटा। इस दौरान एक मुस्लिम बुजुर्ग ने कहा कि कश्मीर घाटी कश्मीरी पंडितों की जन्मभूमि है और दोनों समुदाय साथ-साथ पले-बढ़े हैं।

बडगाम स्थित शारदा स्थापना समुदाय के अध्यक्ष सुनील कुमार भट्ट ने कहा, हम कह सकते हैं कि यह पाकिस्तान स्थित शारदा माता मंदिर की एक शाखा है। हम लंबे समय से इस मंदिर को फिर से खोलना चाहते थे। स्थानीय मुसलमान भी यही चाहते थे। वे हमें नियमित रूप से आकर मंदिर की पुनर्स्थापना करने के लिए कहते थे।

उन्होंने कहा कि पंडित समुदाय ने 35 साल बाद मंदिर को फिर से खोला है। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि यह (सभा) एक वार्षिक आयोजन होगा और हम माता रानी से प्रार्थना करते हैं कि समुदाय के सदस्य जल्द ही कश्मीर लौट आएं। भट्ट ने कहा कि कुछ कश्मीरी पंडितों ने, जिनमें से ज्यादातर प्रधानमंत्री पैकेज के तहत काम कर रहे हैं, मंदिर का पुनर्निर्माण किया है और पुराने मंदिर के खंडहर हो जाने के कारण, उन्होंने जिला प्रशासन से एक नए मंदिर के निर्माण के लिए संपर्क किया है।

उन्होंने कहा, हम निर्माण की योजना बना रहे हैं। हमने वहां एक शिवलिंग स्थापित किया है जो हमें इस जगह की सफाई और जीर्णोद्धार के दौरान मिला था। समारोह में घाटी की प्रसिद्ध मिश्रित संस्कृति की झलक दिखाई दी क्योंकि स्थानीय मुसलमान भी इस समारोह में शामिल हुए। भट्ट ने कहा, स्थानीय समुदाय के बिना, यह संभव नहीं होता। उन्होंने आगे कहा कि उनका समर्थन बहुत बड़ा है।

उन्होंने कहा, जब हम यहां आए थे, तब हम सिर्फ चार लोग थे। आज पूरा गांव हमारे साथ है। यह स्थानीय समुदाय के समर्थन को दर्शाता है।

राजस्थान सरकार ला रही धर्मांतरण विरोधी कानून

बिल विधानसभा में होगा पेश; क्या प्रावधान?

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान सरकार एक सख्त धर्मांतरण विरोधी कानून लाने जा रही है। राज्य सरकार सोमवार से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र में एक बिल पेश करेगी जिसमें जबरदस्ती, झूठ बोलकर या धोखाधड़ी से कराए गए धर्मांतरण को रोकने के लिए कड़े प्रावधान होंगे। राज्य के कानून और कानूनी मामलों के मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि राजस्थान में अवैध धर्मांतरण से निपटने के लिए कोई खास कानून नहीं है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में रविवार को हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में राजस्थान गैरकानूनी धार्मिक रूपांतरण निषेध विधेयक, 2025 के नए मसौदे को मंजूरी दी गई। मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि पहले का बिल जो पिछले सत्र में पेश किया गया था उसे वापस लिया जाएगा। उसकी जगह यह नया मसौदा पेश किया जाएगा जिसमें कड़े प्रावधान होंगे। प्रस्तावित कानून में दोषियों के लिए सख्त सजा का प्रावधान किया गया है। सामान्य मामलों में 7 से 14 साल तक की कैद और कम से कम 5 लाख रुपये का जुर्माना होगा। सामूहिक धर्मांतरण के मामलों में 20 साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा और कम से कम 25 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रस्ताव है। मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि यह विधेयक किसी भी व्यक्ति या संगठन को जोर-जबरदस्ती, अनुचित प्रभाव या धोखाधड़ी से धर्मांतरण कराने से रोकता है। इसमें यह भी प्रावधान है कि यदि शादी केवल धर्मांतरण के मकसद से की गई है तो उसे कानूनी तौर पर अमान्य घोषित किया जाएगा। प्रस्तावित कानून के तहत सभी अपराध संज्ञेय और गैर-जमानती होंगे। मंत्री जोगाराम पटेल ने यह भी स्पष्ट किया कि अपने पैतृक धर्म में वापस लौटने को कानून के तहत धर्मांतरण नहीं माना जाएगा। प्रस्तावित कानून में नाबालिगों, महिलाओं, दिव्यांगों या एससी/एसटी समुदायों के लोगों का धर्मांतरण कराने के मामले में सजा के तौर पर 10 से 20 साल तक की कैद और कम से कम 10 लाख रुपये के जुर्माने का प्रावधान होगा।

मुस्लिम युवक से मिले हिमंता, बोले भाजपा जॉइन कर लो

दिसपुर, एजेंसी।
असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने अपने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में वह एक मुसलमान व्यक्ति को भाजपा जॉइन करने की सलाह दे रहे हैं। हिमंता ने एक्स पर पोस्ट किए इस वीडियो के कैप्शन में लिखा है, 'सबका भला भाजपा से जुड़ने में हैं।' यह वीडियो एक्स पर खूब वायरल हो रहा है। वहीं, लोग इस वीडियो पर तरह-तरह के कमेंट्स भी कर रहे हैं।

वीडियो में क्या आया नजर

इस वीडियो में नजर आ रहा है कि सीएम हिमंता किसी कार्यक्रम से बाहर निकल रहे हैं। वहां पर टोपी पहने एक मुसलमान व्यक्ति खड़ा है। हिमंता उस व्यक्ति को गले लगाते हैं। इसके बाद वह उससे पूछते हैं, 'आप कैसे हैं? अच्छे हैं?' जवाब में वह मुसलमान व्यक्ति गर्दन हिलाता हुआ मुस्कुराता रहता है। इसके बाद हिमंता उसके कंधे पर हाथ रखकर आगे बढ़ते जाते हैं। इस बीच वह उससे लगातार बातें करते हैं। असम के मुख्यमंत्री के एक्स अकाउंट पर लोग इस वीडियो के कमेंट बॉक्स में तरह-तरह की टिप्पणियां कर रहे हैं। कुछ लोग तो हिमंता सरमा को ट्रोल भी कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है, 'जैसे आपका भला हो गया'। एक अन्य यूजर ने लिखा है, 'ये लोकतांत्रिक देश है किसको कहां जुड़ना है ये ये कोई हिमंत बिस्वा सरमा तय नहीं करेगा सबको अपना दल और नेता चुनने की समझ और अधिकार है।' गौरतलब है कि असम में बेदखली अभियान को लेकर सियासत गरमाई हुई है। मुस्लिम तंजीम इस अभियान को लेकर हिमंता सरमा के विरोध में है।

फडणवीस सरकार गोलियां चलाए तब भी नहीं हटेंगे

मुंबई, एजेंसी।
मनोज जरांगे ने रविवार को महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार से उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर मराठा आरक्षण पर सरकारी आदेश जारी करने की मांग की। जरांगे ने आजाद मैदान में कहा, 'जब तक मांगें पूरी नहीं हो जातीं, हम धरना स्थल से नहीं हटेंगे। भले ही फडणवीस सरकार हम पर गोलियां चलाए।' वह शुक्रवार से दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में आमरण अनशन कर रहे हैं। उन्होंने एक बार फिर दावा किया कि मराठा, कुनबी की एक उपजाति है। कुनबी कृषि प्रधान जाति है, जिसे अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी के अंतर्गत आरक्षण का लाभ मिलता है।

मनोज जरांगे ने दावा किया, 'ऐसे 58 लाख रिकॉर्ड मिले हैं, जो मराठों को कुनबी बताते हैं। जो आरक्षण चाहते हैं, वे इसे लेंगे। अगर कोई कानूनी मुद्दा है तो मराठों को कुनबी के रूप में सामान्यीकृत न करें।' उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र सरकार मराठा आरक्षण मुद्दे पर समय बर्बाद करने की रणनीति अपना रही है। जरांगे ने फडणवीस पर निशाना साधते हुए उनकी तुलना गिरगिट से की। उन्होंने कहा कि फडणवीस ने घोषणा की थी कि मुख्यमंत्री बनने के बाद उनका पहला निर्णय धनगर समुदाय को आरक्षण देना होगा।आरक्षण कार्यकर्ता ने सवाल किया, 'क्या उन्होंने ऐसा किया? उन्होंने कहा था कि कृषि ऋण माफ कर दिए जाएंगे। क्या उन्होंने ऐसा किया? अगर आप हमें आरक्षण नहीं देंगे तो आप ग्राम पंचायत की एक भी सीट नहीं जीत पाएंगे।' भाजपा नीत महाराष्ट्र की महायुति सरकार की आलोचना करते हुए जरांगे ने दावा किया कि पुलिस लोगों (उनके आंदोलन का समर्थन करने वालों को) को मुंबई में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दे रही है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, 'वे वापस लौट जाएंगे, लेकिन यह सुनिश्चित करेंगे कि आपके सांसदों और विधायकों को अपने परिवारों के साथ महाराष्ट्र छोड़ना पड़े।'

जरांगे ने दी चेतावनीः मनोज जरांगे ने कहा, 'कोई भी मराठों को ओबीसी कोटे के तहत आरक्षण पाने से नहीं रोक सकता।' उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि या तो विजय जुलूस निकाला जाएगा या फिर उनकी शव यात्रा। जरांगे ने महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों से आए हजारों समर्थकों से शांति बनाए रखने और गुंडागर्दी में शामिल न होने का अनुरोध किया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले दोपहर में जरांगे से मिलने आईं, तो उन्हें आरक्षण समर्थकों ने घेर लिया और पत्रकारों का मखौल उड़ाया गया।

छत्तीसगढ़ में चंगाई सभा के नाम पर धर्मांतरण का खेल, पुलिस की बड़ी कार्रवाई; 65 लोग हिरासत में

बलरामपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर धर्मांतरण का मामला सामने आया है। चंगाई सभा के नाम पर चल रहे इस खेल में पुलिस ने 65 लोगों को हिरासत में लिया है। इसमें 30 महिलाएं और 35 पुरुष शामिल हैं। पुलिस को मौके पर धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया करते हुए लोग मिले।

छत्तीसगढ़ के बलरामपुर के सामरी थाना क्षेत्र के इदरीपाठ गांव में रविवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। कथित चंगाई सभा के नाम पर चल रहे धर्मांतरण कार्यक्रम पर छापेमारी के दौरान 65 लोगों को हिरासत में लिया गया। ग्रामीणों की शिकायत पर पहुंची पुलिस ने सभा को बीच में ही रोकते हुए यहां मौजूद स्थानीय लोगों को हिरासत में लिया है।

स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के मुताबिक, सभा में करीब 30 महिलाएं और 35 पुरुष मौजूद थे। पुलिस को मौके पर धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया करते हुए लोग मिले हैं। कथित चंगाई सभा, प्रार्थना आदि कामों में लगे लोगों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

पूर्व सभासद ने साथियों के साथ युवक को डंडे से पीटा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी के ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र में सामान लेने जा रहे युवक को पूर्व सभासद ने अपने साथियों के साथ डंडे, केबल और फट्टे से पीट दिया। पीड़ति के पिता की शिकायत पर पुलिस ने नौ नामजद समेत 14 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। खुशहाल पार्क कॉलोनी निवासी युसुफ अली ने बताया कि पुत्र आसिफ 28 अगश्त को घर का सामान लेने दुकान जा रहा था। राश्ते में पूर्व सभासद नदीम उर्फ गुड्डू और फैसल निवासी आर्य नगर साथियों खालिद, आरिफ, टिक्कु, ताजिम, उसमान त्यागी, जैनूल निवासी खुशहाल पार्क कॉलोनी के अलावा अन्य लोग दो कार में बैठे मिले। आरोप है कि नदीम और उसके साथियों ने पुत्र के साथ मारपीट की। इसमें पुत्र गंभीर रूप से चोटिल हो गया। शोर मचने पर आस पास के लोगों को एकत्र होता देख हमलावर मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने घायल को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसका उपचार जारी है।

अज्ञात युवक का शव मिला, शिनाख्त के प्रयास जारी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी थाना क्षेत्र में ढाबे के पास सोमवार को अज्ञात युवक का शव पड़ा मिला। मृतक की शिनाख्त न होने पर पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच में जुटी है। लोनी गाजियाबाद रोड स्थित रूप नगर औद्योगिक क्षेत्र में ढाबे के पास आईजीएल गैस पाइप लाइन बोर्ड के पास 32 वर्षीय युवक का शव मिला। राहगीरों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने के काफी प्रयास किए। शिनाख्त न होने पर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि जांच में पता चला कि मृतक नशे की हालत में घूमता रहता था। शव पर चोट के निशान नहीं मिले है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने व मृतक की शिनाख्त होने पर मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

गाली-गलौज के विरोध पर युवक की जमकर पिटाई

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के गांव ईसापुर निवासी ऊषा देवी ने बताया कि उनका पुत्र अंकित ऑटो चलाता है। 27 अगश्त को घर लौटते समय ऑटो में भोजपुर बस स्टैंड के पास से एक व्यक्ति सवार हुआ। राश्ते में व्यक्ति ने अंकित के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपी ने अंकित को बेरहमी से पीट दिया। किसी तरह अंकित घर पहुंचा। मारपीट की वजह से अंकित के पैर में फ्रैक्चर हो गया। पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

ऑनलाइन डीजे का सौदा कर 74 हजार रुपये गंवाए

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के गांव त्योड़ी निवासी छोटू कुमार ने सोमवार को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि जून में इंस्टाग्राम पर डीजे का विज्ञापन देखा था। खरीदने के लिए उसने विज्ञापन पर मोबाइल नंबर पर कॉल किया तो कुलदीप नामक व्यक्ति से बातचीत हुई। इसके बाद 74 हजार रुपये में सौदा तय हो गया। पीड़ित ने कुलदीप की तरफ से दिए क्यूआर कोड पर रकम भेज दी। इसके बाद से न डीजे मिला और न ही रकम वापस मिली। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ थाने में शिकायत दी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष ने भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ सिहानी थाने में शिकायत दी है, जिसमें उन्होंने उनपर रविवार को बंद जिला कांग्रेस कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन करने का आरोप लगाते हुए शहर की शांति बिगाड़ने का आरोप लगाया है। जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा का कहना है कि सोशल मीडिया के जरिये कुछ भाजपा कार्यकर्ता ने शनिवार को कांग्रेस के जिला कार्यालय पर प्रदर्शन करने की बात कही थी। शनिवार को पूरा दिन कांग्रेसी अपने कार्यालय पर मौजूद रहे। उस दौरान वहां कोई नहीं आया, लेकिन रविवार को जब कार्यालय बंद था तो कुछ लोग वहां पहुंचे और प्रदर्शन कर लौट गए। इसकी जानकारी आसपास के लोगों से उन्हें मिली। उनका कहना है कि ये लोग शहर का माहौल बिगाड़ना चाहते हैं, ऐसे में इनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। मौके पर वीर सिंह जाटव, सुरेंद्र शर्मा, लोकेश चौधरी और इस्माइल आदि मौजूद रहे।

इलाज में लापरवाही का आरोप, 12 वर्षीय बच्चे की हालत बिगड़ी, हुई मौत

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷। रमन मैटरनिटी सर्जिकल सेंटर में भर्ती 12 वर्षीय बच्चे की तबीयत अचानक बिगड़ने पर परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया है। ग्राम पोटी पोटा, थाना नूरपुर निवासी ब्रह्मपाल सिंह के पुत्र राघव (12) को शुक्रवार को तेज बुखार आने पर परिजन अस्पताल में भर्ती कराए थे। डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच के बाद उसे धामपुर भेजकर ब्लड टेस्ट कराया। रिपोर्ट में 'काला पीलिया' की पुष्टि हुई तथा प्लेटलेट्स की संख्या काफी कम पाई गई। बच्चे को 12:30 बजे प्लेटलेट्स चढ़ाई गईं। सुबह 4 बजे तक स्थिति सामान्य बताई गई, लेकिन सुबह करीब 10 बजे के बाद राघव की तबीयत बिगड़ने लगी और बेचैनी बढ़ गई। इस पर बच्चे के पिता ने आरोप लगाया कि डॉक्टर ने इलाज में लापरवाही बरती है, जिससे बच्चे की जान पर बन आई। घटना के बाद परिजनों में रोष व्याप्त है।

लॉ कॉलेज का बीएएलएलबी द्वितीय सेमेस्टर का शानदार रहा परिणाम

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। अब्दुल समी मैमोरियल लॉ कॉलेज, किरतपुर (बिजनौर) का बी.ए एलएलबी द्वितीय सेमेस्टर 2025 का परीक्षा परिणाम घोषित हुआ, जो कि बहुत अच्छा रहा। बी0ए0 एलएलबी द्वितीय सेमेस्टर में मौ0 अबुज़र ने 66.4 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान, खुशनुमा ने 66.2 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान और सोनम ने 65.8 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर कॉलेज के अध्यक्ष मौहम्मद साईम राजा ने सभी सफल विद्यार्थियों को मुबारकबाद दी।

पुलिस ने अंतरराज्यीय वाहन चोर गैंग का किया भंडाफोड़, चार शातिर गिरफ्तार

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

गाज़ियाबाद क्राइम ब्रांच ने एक धड़ाधड़ कार्रवाई करते हुए कुख्यात अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गैंग के चार शातिर सदस्यों चाँद, सूफ़ियान, उवैश और बृजमोहन उर्फ बीएम को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से सात चोरी की लग्जरी कारें, फर्जी नंबर प्लेट्स, हाई-टेक इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स और अवैध असलहा बरामद किया गया है।

एडीसीपी क्राइम पीयूष कुमार ने बताया कि गहन पूछताछ में खुलासा हुआ कि यह गैंग अब तक 50-60 से अधिक वाहन चोरी कर चुका है और उन्हें रिसीवरों को बेचा है। इस गिरोह का मास्टरमाइंड फारूख सलमानी है, जिसके खिलाफ गाजियाबाद, दिल्ली, हरियाणा, हरिद्वार और उत्तराखंड में दर्जनों मुकदमे चल रहे हैं।

फारूख पहले भी शराब तस्करी और वाहन चोरी के मामलों में जेल जा चुका है। गैंग दिल्ली-एनसीआर से लेकर अलीगढ़, मेरठ, पंजाब, राजस्थान, हरियाणा और झारखंड तक वाहन चोरी की मांग पर काम करता था। चोरी की गाड़ियों को गैंग कौशाम्बी बस स्टैंड के पास एक गुप्त स्थान पर छिपाता था और डिमांड मिलने पर रातों-रात डील फाइनल करता था। चोरी की लग्जरी कारें बेहद कम दामों पर रिसीवरों को बेच दी जाती थीं। जैसे ब्रेज़ा 70 हजार, स्विफ्ट 65 हजार, सियाज 80 हजार और क्रेटा जैसी कार महज एक लाख रुपये में बिक जाती थी।

पकड़े गए चारों आरोपियों का अपराधिक रिकॉर्ड भी खौफनाक है। चाँद पर 15, सूफ़ियान पर 13, उवैश पर 16 और बृजमोहन पर 10 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने दिल्ली-एनसीआर में वाहन चोरी की घटनाओं में कमी की उम्मीद जताई है।

गाजियाबाद कमिश्नरेट की स्वाट टीम और थाना लिंक रोड पुलिस ने इस महत्वपूर्ण ऑपरेशन को अंजाम दिया। पुलिस ने बरामद गाड़ियों को कब्जे में लेकर जांच तेज कर दी है।

पुलिस आयुक्त ने इस सफल कार्रवाई के लिए टीम को 50,000 रुपये का इनाम दिया है। पुलिस का दावा है कि यह गिरफ्तारी वाहन चोरी के मामलों में बड़ी सफलता साबित होगी और अपराधियों में दहशत फैलाएगी।

बाढ़ का अलर्ट जारी, यमुना का जलस्तर बढ़ा

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

गाजियाबाद में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। यमुना नदी में जलश्तर

लगातार बढ़ रहा है, जिसे देखते हुए जिला प्रशासन ने बाढ़ का अलर्ट जारी कर दिया है। हथिनी कुंड बैराज से लगातार छोड़े जा रहे पानी के चलते यमुना नदी का जलश्तर खतरनाक श्तर तक पहुंचने लगा है।

जिला अधिकारी ने यमुना नदी से सटे डूब क्षेत्र के गांवों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की चेतावनी दी है। प्रशासन की ओर से ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंच जाएं और किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन से संपर्क करें।

बढ़ते जलश्तर के कारण कई गांवों और खेतों में पानी भरने लगा है। इससे फसलों को काफी नुकसान हुआ है और ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्रशासन की ओर से राहत एवं बचाव दलों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए जिला श्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है।

आगामी चुनाव में जनता जवाब देगी: शिवपाल यादव

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने सोमवार को कहा कि भाजपा ने लोकतंत्र को कमजोर किया है। आगामी चुनावों में जनता उन्हें सत्ता से बाहर कर जवाब देगी। यूपी में सपा की सरकार बनेगी।

विधायक शिवपाल यादव शास्त्री नगर में पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व आईएएस चक्रपाणि यादव के घर पहुंचे थे। जहां पत्रकारों से बात करते हुए शिवपाल ने आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोगों ने देश को लूटा है। जनता के साथ धोखा किया है।

जनता ये सब समझ चुकी है। विपक्ष और पीडीए सभी मिलकर इन्हें हराने का काम करेंगे। हम सभी को इकट्ठा कर रहे हैं। संगठन ने चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। इसको लेकर कार्यकर्ताओं तक पहुंच रहे हैं।

जनता को जगा रहे हैं। सपा नेता ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव में पीडीए ने अपनी ताकत दिखाई थी। अब वर्ष 2027 में भाजपा का प्रदेश से सफाया तय है। प्रगतिशील लोकतांत्रिक गठबंधन (पीडीए) जनता की उम्मीदों पर खरा उतरेगा और भाजपा सत्ता से बाहर होगी।

सत्ता में बैठे लोग गरीबों, किसानों और नौजवानों के हितों की अनदेखी कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम पर है। जनता अब बदलाव चाहती है।

राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि पीडीए जनता की आवाज बनकर सामाजिक न्याय, भाईचारे और विकास के मुद्दों पर चुनाव लड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश को केवल एक दर्जन अधिकारी चला रहे हैं। किसान को दो बोरी यूरिया नहीं दे रहे। 800 रुपये की एक बोरी मिल रही है। कानून व्यवस्था नाम की चीज नहीं है। इस दौरान कार्यकर्ता ने उनका स्वागत किया।

कालागढ़ डैम की वीडियो वायरल शिवसेना पदाधिकारियों का फूटा गुस्सा दोषियों पर हो कड़ी कार्रवाई

✷एनसीआर टुडे. कालागढ़ ✷

कालागढ़ डैम की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है। इस संवेदनशील मामले को लेकर शिवसेना के पदाधिकारी आक्रोशित हो गए हैं और प्रशासन से सख़्त कार्रवाई की मांग की है। शिवसेना के जिला अध्यक्ष संजय राणा ने कहा कि डैम जैसे संवेदनशील स्थल की वीडियो वायरल करना राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। इस हरकत के पीछे शामिल व्यक्ति का तुरंत पता लगाया जाए और उसे कड़ी से कड़ी सज़ा दी जाए।

उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों को हल्के में लेना देशहित के खिलाफ है और दोषियों पर कठोर कार्रवाई ज़रूरी है। इस मौके पर जिला महासचिव डॉ. सी.पी. सिंह, तहसील अध्यक्ष सरदार कुलदीप सिंह, विधानसभा अध्यक्ष महेन्द्र सिंह सरोही, ब्लॉक अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह राठौर, नगर भवानी सेना से नगर अध्यक्ष राधा देवी, लक्ष्मी देवी, मंदीप कौर सहित अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

सभी पदाधिकारियों ने एक स्वर में मांग की कि वायरल वीडियो बनाने और फैलाने वालों की पहचान कर उन्हें जेल भेजा जाए। पदाधिकारियों का कहना है कि डैम जैसे महत्वपूर्ण स्थलों की सुरक्षा से समझौता किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस तरह की हरकतें भविष्य में बड़े खतरे को जन्म दे सकती हैं।

शिवसेना नेताओं ने चेतावनी दी कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। लोग सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को लेकर चिंता जता रहे हैं और प्रशासन से उम्मीद कर रहे हैं कि दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा न जाए।

भर भराकर गिरे मकान के नीचे दब गया घर का सारा सामान

✷एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

नगीना के मोहल्ला सहूवान में एक दर्दनाक हादसा हुआ, जब भारी बारिश के चलते एक मकान भरभराकर गिर गया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन घर में रखा सारा सामान मलबे के नीचे दब गया। जिससे परिवार को काफी नुकसान हुआ है। नगीना के मोहल्ला सहुवान में जैन मंदिर के पास पुराना मकान जिसकी हालत बड़ी दयनीय थी ।

मकान स्वामी की माली हालत सही नहीं थी जिसके लिए प्रधानमंत्री आवास योजना में भी नाम दिया था जो कि अभी तक नहीं आ पाया। पैसा ना होने के कारण वह उसको बनवा भी नहीं पा रहे थे ।इस वर्ष भी भारी बारिश के कारण वह मकान गिर गया जिससे मकान मालिक को भारी नुकसान हुआ।

गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन घर में रखा सामान मलबे के नीचे दब गया। परिवार को इस हादसे से काफी नुकसान हुआ है और अब उनके सामने रहने की समस्या उत्पन्न हो गई है। स्थानीय प्रशासन को ऐसे मामलों में तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए और प्रभावित परिवार की मदद करनी चाहिए। प्रशासन को मकान की मरम्मत या पुनर्निर्माण में मदद करनी चाहिए और परिवार को राहत प्रदान करनी चाहिए। इस हादसे से यह स्पष्ट होता है कि भारी बारिश के दौरान जर्जर मकानों का खतरा बढ़ जाता है।

स्थानीय प्रशासन और लोगों को ऐसे मामलों में सावधानी बरतनी चाहिए और जर्जर मकानों की पहचान कर उन्हें सुरक्षित बनाने के प्रयास करने चाहिए।

हाफिज कुरान पुरा करने वाले बच्चों को दस्तार बंदी कर दुआओं से नवाजा

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

एक इनामी प्रोग्राम हजरत शाह वाली मस्जिद लोहारी सराय में हुआ जिसकी देखरेख मुफ्ती आसिफ साहब इमाम हजरत शाह मस्जिद ने की और सदारत मुफ्ती उवैस अकरम इमाम वे खतीब जामा मस्जिद नगीना ने की।

संचालन मुफ्ती सूफियान साहब ने किया। इस प्रोग्राम में जिन बच्चों ने इस साल हिफ़्ज़ ए कुरान मुकम्मल किया उनकी दशतारबंदी और उनको इनाम और शील्ड से नवाजा गया। इसमें 10 बच्चे वह भी थे जिन्होंने पिछले साल हिफ़्ज़ ए कुरान मदरसा दावत उल कुरान में मुकम्मल किया।

हिफ़्ज़ ए कुरआन करने वाले बच्चों में मोहम्मद फैज अहमद रिहान मोहम्मद सोहेल मोहम्मद अब्दुल्ला मोहम्मद मोहम्मद हम्माद मोहम्मद हुजैफा मोहम्मद सईद मोहम्मद हमजा मोहम्मद अयाज मोहम्मद उमर मोहम्मद हमजा मोहम्मद अकरम मोहम्मद रिहान रहे।

इस मौके पर दारुल उलूम देवबंद वक़्फ़ के उश्ताद मुफ्ती रफ़ाक़त साहब और शहर के तमाम ही उलमाओ ने मिलकर इन बच्चों की दशतारबंदी की। उनको एक शील्ड और एक लिफाफा देकर इनामों से नवाजा ।देवबंद से आए मुफ्ती रिफ़ाक़त साहब ने अपने खिताब में कहा हमें अपने बच्चों को दुनिया की तालीम और दीनी तालीम इस तरह देनी चाहिए कि वह एक अच्छे शहरी और देश की तरक्की में काम कर सके।

अपने दीन पर चलते हुए देश को और क़ौम की तरक्की के लिए काम कर सके उन्होंने अपने खिताब में कहा जब एक बच्चा हिफ़्ज़य कुरान मुकम्मल करता है तो वह अल्लाह की नजरों में बहुत बड़ा मुकाम पाता है । वह ऐसे 10 लोगों की सिफारिश करने वाला हो जाता है जिन पर दोज़ख वाजिब हो जाती है।

जब कयामत के दिन वह अल्लाह से उन लोगों की सिफारिश करेंगे जिन लोगों पर दोज़ख वाजिब हो चुकी थी। अल्लाह ताला उससे खुश होकर उसकी सिफारिश पर उन्हें जन्नत में दाखिल करेंगे। इस मौके पर मुफ्ती उवैस साहब ने कहा कि हमें बच्चों को बढ़िया से बढ़िया तालीम देकर उन्हें एक अच्छा इंसान बनाने की कोशिश करनी चाहिए।

इस मौके पर मौजूद रहे मुफ्ती इलियास साहब मुफ्ती फौजैल हाजी तंजील आलम मुफ्ती उस्मान मुफ्ती आसिफ मौलाना मुनीर मौलाना वारिस मुफ्ती मुशाहिद मुफ्ती शाहिद मुफ्ती फहीम सिद्दीक मुल्तानी सखावत मुल्तानी मोहम्मद नासिर नफीस अहमद नसीम अहमद वगैरा मौजूद रहे।

स्नातक की खाली सीटों पर पंजीकरण का अंतिम दिन आज

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

जिले के डिग्री कॉलेजों में खाली सीटों पर पंजीकरण कराने का आज आखिरी मौका है। जिन छात्रों ने अभी तक पंजीकरण नहीं कराया है वह इस अंतिम मौके का फायदा उठाकर दाखिला ले सकते हैं। वहीं, दूसरी तरफ मोदीनगर में नवनिर्मित राजकीय महाविद्यालय सारा रोड में भी प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है।

इच्छुक छात्र आज पंजीकरण कराते हुए यहां दाखिले ले सकते हैं। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से संबद्ध जिले के कई राजकीय कॉलेजों बीए-बीकॉम समेत विभिन्न पाठ्यक्रमों में तीन मेरिट के तहत दाखिला पूरे हो चुके हैं। तीन मेरिट के बाद भी एमएमएच, शंभू दयाल, वीएमएलजी आदि कॉलेजों में 50 फीसदी तक सीटें अभी भी खाली हैं।

ऐसे में विश्वविद्यालय ने खाली सीटों को भरने और वंचित छात्रों को एक और मौका देते हुए दो सितंबर तक फिर से पंजीकरण खोल दिए। ऐसे में वंचित छात्रों के पास केवल आज का अंतिम मौका है। बीए, बीकॉम, बीएससी सहित यूजी ट्रेडिशनल-प्रोफेशनल एवं विधि (लॉ) पाठ्यक्रमों में छात्र आज हर हाल में ऑनलाइन पंजीकरण करा लें। इसके साथ पीजी में डिग्री के साथ-साथ सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में भी दो सितंबर तक पंजीकरण कराए जा सकेंगे। दो सितंबर तक पंजीकरण के पश्चात प्राप्त हुए आवेदनों के आधार पर चार सितंबर के बाद ओपन मेरिट जारी होने की उम्मीद है। नवनिर्मित राजकीय महाविद्यालय मोदीनगर में भी दाखिला प्रक्रिया शुरूः मोदीनगर में नवनिर्मित राजकीय महाविद्यालय, सारा रोड में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह महाविद्यालय भी चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ से संबद्ध है।

महाविद्यालय प्रशासन के अनुसार छात्र बीए, बीएससी तथा बीकॉम पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकेंगे।

बीए (कला संकाय) में हिंदी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, संस्कृत, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र एवं शारीरिक शिक्षा जैसे विषयों की पढ़ाई कर सकेंगे। बीएससी (विज्ञान संकाय) में गणित समूह (गणित, भौतिकी, रसायन शास्त्र) तथा जीव विज्ञान समूह (प्राणीशास्त्र, वनस्पति शास्त्र, रसायन शास्त्र) पाठ्यक्रमों की पढ़ाई होगी।

वहीं, बीकॉम (वाणिज्य संकाय) में वाणिज्य के सभी अनिवार्य एवं ऐच्छिक विषयों की पढ़ाई होगी। इच्छुक विद्यार्थी दो सितंबर 2025 तक अपना पंजीकरण कर प्रवेश ले सकते हैं। यहां दाखिले होने से आसपास के ग्रामीण छात्रों को काफी फायदा होगा। पंजीकृत छात्रों के पास आवेदन में हुई त्रुटियों को संशोधित करने का भी आज अंतिम दिन है। दो सितंबर तक छात्र एकेडमिक प्रोफाइल सही करते हुए संशोधन कर सकते हैं। इसमें छात्र अंक प्रतिशत, अंक एवं भारांक में गलतियों को सही करा सकेंगे। राजकीय कॉलेजों में 50 फीसदी तक सीट खाली नंदग्राम स्थित मान्यवर कांशीराम कॉलेज में बीए, बीकॉम, बीएससी में कुल 280 सीट हैं, इनमें से 151 सीट भरी हैं और 129 सीटें खाली हैं।

वहीं, दयानंद नगर स्थित वीएमएलजी कॉलेज में बीए, बीकॉम, बीसीए, बीबीए और बीएससी की कुल 710 सीटें हैं, जिन पर 446 सीटें फुल हुई हैं और 264 सीटें रिक्त हैं। एमएमएच और शंभू दयाल पीजी कॉलेज में भी बीए-बीकॉम समेत अलग-अलग कोर्स की 50 से 40 फीसदी सीटें रिक्त हैं। पीजी पाठ्यक्रमों में तीन को तैयार होगी मेरिट विवि के अनुसार पीजी डिग्री, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट प्रोग्राम में पंजीकरण 30 अगश्त से दो सितंबर तक होंगे।

पीजी में पहली मेरिट जारी हो चुकी है और आज अंतिम तिथि है। विवि के अनुसार जिन छात्रों ने पंजीकरण में यूजी पंचम सेमेस्टर के अंक भरते हुए फॉर्म जमा किया था वह संशोधन में छठे सेमेस्टर के अंक भरते हुए अपडेट कर दें। ऐसे ही जिन छात्रों ने पंजीकरण फॉर्म में केवल सीजीपीए भरे हुए हैं वे भी फॉर्म सुधारते हुए स्नातक के कुल और प्राप्त अंक भर दें। कैंपस-कॉलेज तीन सितंबर को पंजीकरण डाटा डाउनलोड करते हुए दूसरी मेरिट तैयार करेंगे।

ट्रैफिक पुलिस की नई पहल 'नो हेलमेट, नो पेट्रोल', बिना हेलमेट पेट्रोल लेने पर रोक

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों के पालन को बढ़ावा देने के लिए गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस ने एक अभिनव अभियान की शुरुआत की है — "नो हेलमेट, नो पेट्रोल"। इस अभियान के तहत अब बिना हेलमेट के पेट्रोल पंप पर आने वाले दोपहिया वाहन चालकों को ईंधन नहीं मिलेगा।

इस अभियान की शुरुआत पुलिस अधिकारी (ट्रैफिक) ने की। अधिकारियों ने पेट्रोल पंपों पर जाकर खुद लोगों को हेलमेट की अनिवार्यता और सड़क सुरक्षा के नियमों के बारे में जागरूक किया। पेट्रोल पंप पर कई ऐसे लोग दिखाई दिए जो बिना हेलमेट के पेट्रोल लेने पहुंचे थे। ऐसे लोगों का चालान भी किया गया और उन्हें हेलमेट पहनने के महत्व के बारे में समझाया गया। जब पेट्रोल पंप मालिकों से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि वे प्रशासन के निर्देशों का पूरी तरह पालन कर रहे हैं। जो भी दोपहिया वाहन चालक बिना हेलमेट आता है, उसे पेट्रोल या डीजल नहीं दिया जा रहा है। पेट्रोल पंप पर मौजूद उपभोक्ताओं ने सरकार की इस पहल का स्वागत किया। एक ग्राहक ने कहा, "यह एक बहुत ही अच्छा कदम है। हेलमेट न पहनने वाले दुर्घटना के समय गंभीर चोट या मौत का शिकार हो सकते हैं। अगर लोग हेलमेट पहनने लगेंगे तो सड़क हादसों में निश्चित ही कमी आएगी।" इस अभियान का उद्देश्य हेलमेट पहनने की आदत को बढ़ावा देना और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है। ट्रैफिक पुलिस का मानना है कि इस तरह की पहलें लोगों में जागरूकता बढ़ाएंगी और कानून का पालन सुनिश्चित करेंगी।

व्यापारी केवल अपना व्यापार करे, सुरक्षा की ज़िम्मेदारी पुलिस प्रशासन की होगी: सी. ओ.

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश महामंत्री मुकुल अग्रवाल ने कहा कि उनका संगठन पूरी तरह से गैर राजनीतिक संगठन है। जिसमें सभी विभिन्न पार्टियों में विश्वास रखने वाले व्यापारियों को बराबर सम्मान दिया जाता है। उन्होंने दावा किया कि गलत काम करने वाले किसी भी व्यक्ति को संगठन में स्थान नहीं दिया जाता है।

धामपुर रोड स्थित रॉयल रिसोर्ट के सभागार में पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के जिला श्तरीय चुनावी व्यापारी सम्मेलन का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि व अध्यक्ष संघ के जिला अध्यक्ष शेख शाहनवाज खलील व व्यापारी नेता मुकुल अग्रवा

ल ने किया। मुख्य अतिथि शेख शाहनवाज खलील ने कहा कि उन्होंने हमेशा सभी वर्गों के साथ-साथ व्यापारी वर्ग का भी पूरा ध्यान रखा है। उन्होंने कहा कि उनके परिवार हमेशा से हर समस्या के समाधान में सबसे आगे खड़ा रहता है। व्यापारियों की भी किसी समस्या के लिए उनके घर के दरवाजे हमेशा खुले हैं। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के तौर पर अपना संबोधन करते हुए पुलिस क्षेत्राधिकारी डॉक्टर अंजनी कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि व्यापारी वर्ग हमेशा अपने व्यापार में व्यश्त रहता है। व्यापारियों को एकजुट करने के लिए ऐसे कार्यक्रम होते रहने चाहिए। उन्होंने मजबूती के साथ दावा किया कि व्यापारी वर्ग केवल अपने व्यापार पर ध्यान दें।

सुरक्षा की जिम्मेदारी वह और उनकी पुलिस पूरी तरह निभाने के लिए तत्पर है। इस मौके पर सत्यकाम विश्नोई को जिला प्रभारी, विनीत राजपूत बिजनौर जिलाध्यक्ष, अंकुर जैन शेरकोट जिला महामंत्री, तस्लीम अहमद सिद्दीकी नजीबाबाद जिला कोषाध्यक्ष, जिला प्रभारी युवा संदीप जोशी नूरपुर, जिला अध्यक्ष पवन यादव जिला महामंत्री युवा वासु अग्रवाल, जिलाध्यक्ष महिला निवासी नहटौर डॉ. उर्मिला पाल, जिला महामंत्री महिला रूपा शर्मा, जिला उपाध्यक्ष बाबर अली उस्मानी, दीपक मल्होत्रा, सरफराज अंसारी नगीना, अब्दुल कय्यूम राईन नगर अध्यक्ष नगीना, पंडित सचिन शर्मा को नगर महामंत्री नगीना की जिम्मेदारी सौंप दी गई। इस मौके पर सरदार सतवंत सिंह सलूजा, जावेद रहमान शम्सी, तस्लीम अहमद इदरीसी, अमित गुप्ता राजन टंडन प्रशांत गुप्ता अरविंद विश्नोई, मोनिका रुश्तम यादव अललिशा हुसैन सिद्दीकी व अन्य लोग मौजूद रहें।

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य सामग्री प्रबंधक उत्तर रेलवे नई दिल्ली – 110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदो के लिए ई – निविदा आमंत्रित की जाती है:–

क्र.सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अन्तिम तिथि	सूचना संख्या
1.	82245048	तरल चिकित्सा ऑक्सीजन	3,40,008 घन मापी	04.09.2025	2536/2025
2.	उपर्युक्त निविदा के मद्देनजर शुद्धिपत्र जारी किया गया है				

निविदा शर्तें : 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी। टेंडर नोटिस सं. टेबलेट / इंजेक्शन और दवाएं दिनांक: 29.08.2025 2637/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

कोर्ट की फटकार और डॉक्टरों की लिखावट

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने हाल ही में एक ऐसा आदेश दिया है, जो न केवल हरियाणा-पंजाब बल्कि पूरे देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गहरी छाप छोड़ेगा। अदालत ने स्पष्ट कहा कि डॉक्टरों को अब मरीजों की पर्ची साफ लिखनी होगी। बेहतर होगा कि डॉक्टर अपनी लिखावट कैपिटल लेटर्स में करें या फिर टाइप/डिजिटल रूप में पर्ची दें। यह फैसला सिर्फ लिखावट की औपचारिकता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे मरीज की सुरक्षा और जीवन के अधिकार (अनुच्छेद 21) से जुड़ा हुआ है।

भारत में अक्सर यह शिकायत सुनने को मिलती रही है कि डॉक्टरों की लिखावट इतनी उलझी होती है कि फार्मासिस्ट या मरीज को समझ ही नहीं आता कि कौन-सी दवा, कितनी मात्रा में और कितने समय तक लेनी है। ऐसे में गलत दवा या गलत खुराक से मरीज की हालत बिगड़ जाना आम बात है। कई बार तो यह लापरवाही मौत तक का कारण बन चुकी है। यह स्थिति केवल छोटे शहरों या ग्रामीण इलाकों तक सीमित नहीं है। बड़े-बड़े कॉर्पोरेट अस्पतालों में भी प्रिस्क्रिप्शन का यह संकट मौजूद है। लिहाजा हाईकोर्ट का हस्तक्षेप एक जीवन रक्षक पहल के रूप में देखा जाना चाहिए।

यह विषय केवल चिकित्सकीय नहीं बल्कि सामाजिक भी है। ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में अक्सर मरीज कम पढ़े-लिखे होते हैं। जब वे डॉक्टर की पर्ची लेकर दवा की दुकान पर पहुँचते हैं तो उनकी समझ से बाहर होता है कि कौन-सी दवा कितनी बार लेनी है। कई बार दवा विक्रेता भी लिखावट को गलत समझ लेता है। इससे मरीज गलत समय पर दवा खा लेता है, डोज़ बिगड़ जाती है और बीमारी बढ़ जाती है। यह समस्या गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्ग मरीजों में और भी गंभीर हो जाती है।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 हर नागरिक को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है। अदालत ने सही कहा कि मरीज को अपनी बीमारी और इलाज की जानकारी मिलना उसका मौलिक अधिकार है। यदि प्रिस्क्रिप्शन ही अस्पष्ट और अधूरी जानकारी वाला हो तो यह अधिकार स्वतः ही बाधित होता है। इस संदर्भ में यह आदेश केवल चिकित्सा पद्धति के तकनीकी सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिक अधिकारों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

न्यायालय ने अपने आदेश में यह भी कहा कि जब तक देशभर में ई-प्रिस्क्रिप्शन (कंप्यूटर से बनी पर्ची) की व्यवस्था पूरी तरह लागू नहीं हो जाती, तब तक सभी डॉक्टर कैपिटल लेटर्स में लिखें। यह सुझाव व्यावहारिक भी है और भविष्य की दिशा भी तय करता है। डिजिटल हेल्थ रिकार्ड और ई-प्रिस्क्रिप्शन के कई लाभ हैं-मरीज का पूरा मेडिकल इतिहास सुरक्षित रहता है, फार्मासिस्ट को गलतफहमी की गुंजाइश नहीं रहती, दवा कंपनियों और हेल्थ इंश्योरेंस तक पारदर्शिता सुनिश्चित होती है और मरीज चाहे गांव का हो या महानगर का, उसे स्पष्ट जानकारी मिलती है।

हाईकोर्ट ने नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) को भी निर्देश दिया है कि मेडिकल कॉलेजों में छात्रों को साफ-सुथरी लिखावट और स्पष्ट प्रिस्क्रिप्शन की ट्रेनिंग दी जाए। यह कदम बहुत अहम है क्योंकि आने वाले समय में वही छात्र डॉक्टर बनेंगे। यदि मेडिकल शिक्षा के शुरुआती दौर से ही छात्रों को साफ लिखने और स्पष्ट पर्चा देने की आदत डाल दी जाए, तो आने वाले वर्षों में यह समस्या स्वतः ही खत्म हो सकती है। यह सुधार मेडिकल एथिक्स का हिस्सा बनना चाहिए।

अदालत ने राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को भी नीति बनाने का निर्देश दिया है। इस नीति के तहत छोटे क्लिनिक और ग्रामीण डॉक्टरों को कंप्यूटर आधारित प्रिस्क्रिप्शन सिस्टम के लिए आर्थिक सहायता दी जा सकती है। जिला स्तर पर सिविल सर्जन की निगरानी में जागरूकता बैठकों का आयोजन किया जाए और स्वास्थ्य विभाग समय-समय पर निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करे कि डॉक्टर पर्चे पढ़ने योग्य लिख रहे हैं। यदि सरकार इस आदेश को गंभीरता से लागू करती है तो यह न केवल मरीजों के जीवन की सुरक्षा करेगा बल्कि स्वास्थ्य सेवा में पारदर्शिता और विश्वास को भी मजबूत करेगा। अंतरराष्ट्रीय अनुभव बताते हैं कि प्रिस्क्रिप्शन की स्पष्टता स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी सुधार लाती है। पश्चिमी देशों में डॉक्टरों द्वारा हाथ से लिखे पर्चे अब लगभग अतीत की बात हो चुके हैं। अमेरिका, यूरोप और जापान जैसे देशों में ज्यादातर अस्पतालों और क्लिनिकों में ई-प्रिस्क्रिप्शन ही मानक बन चुका है। भारत में भी डिजिटल इंडिया मिशन और आयुष्मान भारत डिजिटल हेल्थ मिशन के तहत इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड को बढ़ावा दिया जा रहा है। हाईकोर्ट का आदेश इन पहलों को और गति देगा।

हालाँकि, चुनौतियाँ कम नहीं हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली और इंटरनेट की कमी से डिजिटल व्यवस्था लागू करना कठिन होगा। छोटे क्लिनिकों के लिए कंप्यूटर, प्रिंटर और सॉफ्टवेयर की लागत बड़ी बाधा है। डॉक्टरों पर पहले से ही प्रशासनिक बोझ है, ऐसे में अतिरिक्त प्रशिक्षण और औपचारिकताएँ असुविधा पैदा कर सकती हैं। यह भी सही है कि मरीजों की भाषा और समझ अलग-अलग होती है। अतः केवल अंग्रेजी या कैपिटल लेटर्स काफी नहीं होंगे, बल्कि स्थानीय भाषा में भी स्पष्टता जरूरी है।

फिर भी, यदि इसे चरणबद्ध और वित्तीय सहयोग के साथ लागू किया जाए तो यह समस्या स्थायी रूप से सुलझ सकती है। सरकार चाहे तो इसे आयुष्मान भारत योजना से जोड़ सकती है और अस्पतालों को अनुदान देकर डिजिटल प्रिस्क्रिप्शन अनिवार्य बना सकती है। साथ ही फार्मासिस्टों को भी यह अधिकार होना चाहिए कि वे अस्पष्ट प्रिस्क्रिप्शन को दवा देने से पहले डॉक्टर से सत्यापित करें। डॉक्टरों की लिखावट अब केवल मजाक या व्यंग्य का विषय नहीं रह गई, बल्कि यह सीधे-सीधे जीवन और मृत्यु का प्रश्न है। अदालत ने मरीज के अधिकार और डॉक्टर की जिम्मेदारी को स्पष्ट रूप से जोड़ा है। यदि यह आदेश पूरे देश में लागू हो जाए तो न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधरेगी बल्कि मरीज और डॉक्टर के बीच विश्वास भी मजबूत होगा। चिकित्सा का पहला उद्देश्य जीवन बचाना है और यदि लिखावट जैसी साधारण-सी चीज़ इसमें बाधा बने, तो यह चिकित्सा के धर्म और कर्तव्य दोनों के विपरीत है। इसलिए यह आदेश डॉक्टरों, सरकार और समाज तीनों के लिए चेतावनी भी है और अवसर भी। चेतावनी इस बात की कि अब लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी, और अवसर इस मायने में कि भारत स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक और सुरक्षित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा सकता है।

राहुल की यात्रा कामयाबः असली लक्ष्य है बिहार जीतना

शकील अख्तर

अब विपक्ष को जो वहां महागठबंधन के नाम से चुनाव लड़ रहा है अपना पूरा ध्यान चुनाव की तैयारी पर लगाना चाहिए। चुनाव आयोग के दांव पेंच चलेंगे। उस पर दबाव पड़ा है। मगर मोदी सरकार की तरफ से दबाव ज्यादा है। जाहिर है कि सत्ता का दबाव ज्यादा काम करेगा बनिस्बत विपक्ष और जनता के दबाव के। लेकिन चुनाव आयोग की साजिशों के बावजूद महागठबंधन को अपना चुनाव पूरी ताकत और कुशलता से लड़ना होगा।

वैराहुल की बिहार यात्रा का पहला दौर खतम हो गया। दूसरा दौर जब भी शुरू हो मगर उससे पहले ही वोट चोरी पूरे देश में मुद्दा बन गई। यही इस यात्रा का पहला उद्देश्य था। देश में जगह-जगह वोट चोरी पर चर्चा होने लगी। बिहार का आदमी देश में हर जगह है।

वह बता रहा है कि उसके घर गांव में कितने वोट कटे। जो जिन्दा हैं उनके नाम मुर्दों में लिख दिए और जो कई-कई बार वोट डाल चुके हैं उनके नाम ही गायब हैं। 18, 20, 22 साल के युवा जिनका नाम खोज-खोज कर घर-घर जाकर पहले जोड़े जाते थे उनके नाम ही नहीं हैं। जागरुकता हर जगह फैल गई है। अब बंगाल में जहां इसके बाद एसआईआर करने का भाजपा सोच रही थी करना मुश्किल होगा। राहुल का यह प्राथमिक उद्देश्य था जो पूरा हो गया। मगर असली उद्देश्य या लक्ष्य चुनाव जीतना होता है।

अगर राहुल की इतनी सफल यात्रा जिसमें जनता ने सहभागिता के सारे रिकार्ड तोड़ दिए बिहार जीत में नहीं बदलती है तो यात्रा बेकार हो जाएगी। इसका उठाया मुद्दा वोट चोरी दम तोड़ देगा।

अब विपक्ष को जो वहां महागठबंधन के नाम से चुनाव लड़ रहा है अपना पूरा ध्यान चुनाव की तैयारी पर लगाना चाहिए। चुनाव आयोग के दांव पेंच चलेंगे। उस पर दबाव पड़ा है। मगर मोदी सरकार की तरफ से दबाव ज्यादा है। जाहिर है कि सत्ता का दबाव ज्यादा काम करेगा बनिस्बत विपक्ष और जनता के दबाव के। लेकिन चुनाव आयोग की साजिशों के बावजूद महागठबंधन को अपना चुनाव पूरी ताकत और कुशलता से लड़ना होगा। निगाह चुनाव आयोग की धांधलियों पर रखना होगी। सुप्रीम कोर्ट में सही पैरवी करते रहना होगी। जनता को लगातार जागरूक करते रहना होगा और कार्यकर्ताओं को मजबूत करके बूथ लेवल तक पहुंचाना होगा।

आखिरी मैसेज चुनाव नतीजों से ही जाएगा। लड़ाई बराबरी की नहीं है। विपक्ष को लेवल प्लेइंग फील्ड नहीं मिलेगी। मगर जब तक मोदी है विपक्ष के पास कोई आप्शन नहीं है। इन्हीं हालातों में लड़ना होगा।

पहले तो यह था कि प्रधानमंत्री मोदी को भी चुनाव के जरिए ही हटाया जा सकेगा। मगर पहलगाम के आतंकवादी हमले और उसके बाद अमेरिका के दबाव में सीज फायर ने परिस्थितियां पूरी तरह बदल दी हैं। अभी संसद के खतम हुए मानसून सत्र में मोदी का गिरता हुआ असर साफ दिख रहा था। भाजपा सांसद उस तरह मोदी और अमित शाह के साथ खड़े नहीं दिखे जैसे इससे पहले के सत्रों में दिखते थे। लोकसभा जहां पिछले 11 साल में राहुल गांधी को बोलने नहीं दिया गया।

विपक्ष के हर नेता को हूट किया गया। पूरे विपक्ष को सदन से निष्कासित कर दिया गया वहां मोदी के प्रवेश करने पर वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे लगे। अमित शाह के मुंह पर संविधान संशोधन का विपक्ष के मुख्यमंत्रियों को हटाने का बिल फाड़कर फेंका गया।

यह मोदी अमित शाह के डर के खतम हो जाने का परिचायक था। राहुल का पिछले कुछ समय से यही प्रमुख नारा था डरो मत! और डर विपक्ष में खतम हुआ लेकिन इसके साथ सत्ता पक्ष में भी बना डर का माहौल खतम हुआ।

मोदी के 11 साल के शासन का अगर कोई एक आधार था तो वह डर ही था। जिसकी वजह से खुद उनकी पार्टी, सभी संवैधानिक संस्थाएं, मीडिया सब उनके नियंत्रण में रहते थे। अब वह डर खतम हुआ तो मोदी अपने

आप कमजोर दिखने लगे। इसलिए जो पहले माना जाता था कि उन्हें केवल चुनाव के जरिए ही हटाया जा सकता है अब माना जाने लगा है कि खुद उनकी पार्टी उनके साथ नहीं है। अन्तरराष्ट्रीय शतर से लेकर देश में हर जगह उनकी असफलताएं दिखने लगी हैं।

राजनीति में नेता तभी तक स्वीकार्य होता है जब तक वह मजबूत दिखता है। राहुल गांधी का उनकी खुद की पार्टी में विरोध हो गया था। उन्हें अध्यक्ष पद से इश्तीफा देना पड़ा था। पार्टी के 23 बड़े नेताओं ने उनके खिलाफ सोनिया गांधी को पत्र लिखा था। मगर राहुल ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा फिर दूसरी यात्रा करके और विपक्ष में एकजुटता लाकर इंडिया गठबंधन बनाकर मोदी को 2024 के चुनाव में बहुमत लाने से रोक दिया। उसके बाद राहुल न केवल अपनी पार्टी में पूरे विपक्ष में और जनता में मजबूत नेता के तौर स्थापित हो गए।

और दूसरी तरफ उसी काल खंड में मोदी लोकसभा में बहुमत से दूर रहकर, अमेरिका के दबाव में आकर भारतीय सेना को पाकिस्तान के खिलाफ सफलता के निर्णायक क्षणों में रोकने और उसके बाद भी टैरिफ को नहीं रोक पाने के बाद अपना सारा रौब रुतबा खो चुके हैं। बची खुची कसर उनकी चीन यात्रा ने पूरी कर दी।

गलवान में मारे गए हमारे बीस बहादुर सैनिकों की शहादत आंखों के सामने घूम गई। उसके बाद चीन को जो क्लीन चिट दी थी कि न कोई घुसा है न कोई है कि याद आ गई। चीन जाने की जरूरत पर सवाल होने लगे। जो चीन पाकिस्तान के साथ संघर्ष में पूरी तरह उसके साथ खड़ा था।

हमारी सेना के उपसेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने कहा कि सामने पाकिस्तान था मगर पीछे चीन लड़ रहा था। अब पाकिस्तान के साथ भारत क्रिकेट मैच खेल रहा है और चीन तो प्रधानमंत्री खुद पहुंच गए। तुर्किए जिस तीसरे देश का नाम सेना ने लिया था कि वह भी पाकिस्तान के साथ लड़ रहा था उससे फिर कारोबार शुरू कर दिया। गोदी मीडिया तक ने हेडिंग लगा दी सरकार का यूटर्न। विदेश नीति पूरी तरह असफल बताई जा रही है।

समस्या यह है कि विदेश नीति देश के लिए होती है। मगर मोदी पिछले 11 साल में अपनी छवि बनाने के लिए विदेश नीति चला रहे थे। अभी लेटेस्ट जापान का उदाहरण सामने है।

वहां भारत जापान संबंधों में पलीता लगाकर गोदी मीडिया यह दिखा रहा है कि जापान में भारतीय सुरक्षित नहीं हैं। लेकिन मोदी की वजह से कोई डर नहीं है। यह जापान पर बहुत बड़ा प्रश्नचिन्ह है। वहां भारतीय या विदेशी सुरक्षित नहीं। कोई देश कैसे बर्दाश्त करेगा?

मोदी का नाम रहे। बाकी देश के बारे में लोग क्या सोचेंगे इसकी चिन्ता नहीं। हर देश में जहां मोदी जाते हैं ऐसे ही ड्रामे किए जाते हैं। और इसी का असर है कि पाकिश्तान के साथ संघर्ष के समय एक देश भी भारत के साथ खड़ा नहीं हुआ।

यही हालत अब भाजपा के अंदर सवाल पैदा कर रहे हैं। संघ ने अभी उसके सौ साल का जश्न नहीं बिगड़े इसलिए 75 साल की उम्र के मसले को किनारे कर दिया है। मगर इससे सवाल खत्म नहीं होगा। सरसंघ चालक मोहन भागवत मोदी के साथ डूबती नाव का सफर नहीं करेंगे। फिलहाल भाजपा और संघ दोनों एक दूसरे की तरफ देख रहे हैं कि सवाल कहां से उठेंगे। कहीं से भी उठ सकते हैं।

मोदी बहुत कमजोर विकेट पर हैं। ट्रंप के टैरिफ का सामना केवल बातों से नहीं हो सकता। निर्यात होने वाला माल रुका पड़ा है। फैक्ट्रियां बंद होने की नौबत आ गई है।

बेरोजगारी के भयानक दिनों में यह गरीबी में आटा गीला जैसी बात हो जाएगी। भाजपा और संघ लंबे समय तक चुप बैठा नहीं रह सकता। देश की प्रतिष्ठा के साथ आर्थिक हालात भी बहुत गंभीर मोड़ पर पहुंच गई है। ऐसे में विपक्ष जरा भी ढील नहीं दे सकता। उसे पासा पलटते हुए दिख रहा है।

राहुल बिहार के बचे हुए जिलों में दूसरी यात्रा की घोषणा कर सकते हैं और उसके बाद मोदी के लिए बिहार बचाना और खुद को बचाना बहुत मुश्किल हो जाएगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

न्याय होता हुआ दिखे : तारीख़ पर तारीख़ की संस्कृति बदले

ललित गर्ग

देश के सर्वोच्च न्यायालय ने अपने 75 वर्ष का गरिमामय सफर पूरा किया है। यह केवल एक ऐतिहासिक पड़ाव नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को परखने का अवसर भी है। न्यायपालिका ने इन आठ दशकों में अनेक युगांतरकारी फैसले दिये, जिन्होंने संविधान की मर्यादा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की। किंतु आज सबसे बड़ी चुनौती न्याय में विलंब की है। समय पर न्याय न मिले तो न्याय का वास्तविक अर्थ ही खो जाता है।

शायद यही कारण है कि न्यायिक बिरादरी के आयोजनों में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्य न्यायाधीशों ने एक स्वर से कहा कि अब 'तारीख़ पर तारीख़' की संस्कृति को समाप्त करने का समय आ गया है। जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिये बड़ी चुनौती है।

सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ये केवल एक संस्था की यात्रा नहीं है। ये यात्रा है भारत के संविधान और संवैधानिक मूल्यों की। ये यात्रा है एक लोकतंत्र के रूप में भारत के और परिपक्व होने की। भारत के लोगों ने सुप्रीम कोर्ट पर, हमारी न्यायपालिका पर विश्वास किया है।

इसलिए सुप्रीम कोर्ट के ये 75 वर्ष 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' के रूप में भारत के गौरव को और बढ़ाते हैं। आजादी के अमृतकाल में 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है विकसित भारत, नया भारत बनने का। नया भारत, यानी सोच और संकल्प से एक आधुनिक भारत। हमारी न्यायपालिका इस विजन का एक मजबूत शतम्भ है। भारत में लोकतंत्र और उदारवादी मूल्यों को मज़बूत करने में न्यायपालिका ने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। संविधान का रखवाला, ग़रीबों के अधिकार एवं सरकार की ज्यादतियों के खिलाफ़ कमज़ोर समूहों का योग्य संरक्षक और करोड़ों नागरिकों के लिए आखरी उम्मीद वाला संस्थान है सुप्रीम कोर्ट।

कुछ अपवादों को छोड़कर पिछले 75 वर्षों में ज्यादातर समय भारतीय न्यायपालिका संविधान की रक्षा और क़ानून के शासन को बनाए रखने में सफल रही है। लेकिन भारतीय कानून व्यवस्था के सामने अनेक जटिल स्थितियां भी हैं, न्यायाधीशों की नियुक्ति, बढ़ते केसों की संख्या, जवाबदेही, भ्रष्टाचार एवं विलम्बित न्याय आदि। न्याय को लेकर अदालतों तक आम नागरिकों की पहुंच एवं खर्च के मुद्दों और इसी तरह की दूसरी चीज़ों के मामले में सुधार के बारे में न्यायपालिका की अपनी महत्वपूर्ण चिंताएं हैं। हमारे कानूनों की भावना है-नागरिक पहले, सम्मान पहले और न्याय पहले है।

इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके।

निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हमारे समाजशास्त्री और कानून लागू करवाने वाली विभिन्न एजेंसियां भी हैरान-परेशान हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराधों बढ़ोतरी से पूरा समाज हिला हुआ है। कोलकाता मेडिकल कॉलेज की महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि अपराधियों के मन से कानून का भय लगभग समाप्त हो चुका है।

यही कारण है कि अब न केवल कठोर कानून बल्कि त्वरित और निष्पक्ष न्याय की मांग बलवती हो रही है। आज न्यायपालिका के सामने सबसे बड़ी चुनौती है-न्याय में विलंब। जिला अदालतों से लेकर उच्चतम न्यायालय तक करोड़ों मामले लंबित हैं। केवल जिला अदालतों में ही साढ़े चार करोड़ से अधिक मामले अटके पड़े हैं। यह स्थिति लोकतंत्र की आत्मा को आहत करती है, क्योंकि न्याय में विलंब, न्याय के इनकार के समान है।

दरअसल, लंबित मामलों के पीछे कई कारण हैं-न्यायाधीशों की अपर्याप्त संख्या, अदालती प्रक्रियाओं की जटिलता, अनावश्यक स्थगन, वकीलों द्वारा मुकदमों को खींचना और पुलिस-प्रशासन की लापरवाही। यही वजह है कि अपराधियों के मन से कानून का भय कम होता जा रहा है और आम नागरिक का भरोसा डगमगाने लगता है।

भारतीय न्यायिक व्यवस्था की रीढ़ जिला एवं स्थानीय अदालतें हैं। यदि इन शतरों पर शीघ्र और सशता न्याय नहीं मिलेगा, तो सुप्रीम कोर्ट की उपलब्धियां अधूरी मानी जाएंगी। सर्वोच्च न्यायालय समय-समय पर स्वतः संज्ञान लेकर राहत देता रहा है-जैसे हाल ही में डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय प्रोटोकॉल बनवाने की पहल। किंतु जिला शतर पर ऐसी सजगता और सक्रियता नहीं दिखाई देती। इसलिए सुधार की असली शुरुआत निचले शतर से ही करनी होगी।

भारतीय न्याय प्रणाली की विसंगतियां और सुधार की राह जटिल है, लेकिन असंभव नहीं है। दृढ़ संकल्प एवं कार्ययोजना के साथ आगे बढ़े तो आजादी के अमृतकाल में हम न्याय प्रणाली को युगांतरकारी मोड़ दे सकते हैं। देश में जनसंख्या के अनुपात में न्यायाधीशों की संख्या बहुत कम है। तत्काल नियुक्तियों और प्रशिक्षण की व्यवस्था होनी चाहिए। ई-कोर्ट, ऑनलाइन सुनवाई, डिजिटल साक्ष्य प्रबंधन जैसे कदम न्याय प्रक्रिया को गति दे सकते हैं। अनावश्यक स्थगन पर अंकुश जरूरी है। क्योंकि स्थगन देने की परंपरा अपराधियों और वकीलों के लिये हथियार बन चुकी है। इस पर कड़ा नियंत्रण जरूरी है।

पुलिस व जांच एजेंसियों को दायित्वशील एवं जिम्मेदार बनाना होगा। क्योंकि पुख्ता सबूतों और चार्जशीट समय पर दाखिल करने से ही मामलों में शीघ्र निर्णय संभव है। अदालतों के साथ-साथ वकीलों और पुलिस पर भी जवाबदेही तय करनी होगी। महिलाओं, बच्चों और संवेदनशील मामलों के लिये विशेष फास्ट-ट्रैक अदालतों को और मजबूती देनी होगी।

न्यायिक प्रकिया से जुड़े कामकाज की समीक्षा होनी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विभिन्न मुख्य न्यायाधीशों ने बार-बार निचली अदालतों में न्यायाधीशों की कमी का मुद्दा भी उठाया है। जाहिरा तौर पर संसाधनों की कमी भी न्यायिक प्रक्रिया की गति को प्रभावित करती है। कुछ लोग मानते हैं कि सख्त कानून के साथ ही त्वरित न्याय भी अपराधियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बना पाएगा।

यदि पुलिस व जांच एजेंसियां पुख्ता सबूतों के साथ अदालत में पहुंचें तो गंभीर मामलों में आरोप जल्दी सिद्ध हो सकेंगे। यही वजह है कि देश में शीर्ष शतर पर भी यह धारणा बलवती हो रही है कि विभिन्न हितधारक सामूहिक जिम्मेदारी निभाएं, जिससे उस धारणा को तोड़ा जा सकता है कि न्याय देने वाली प्रणाली तारीख पर तारीख की संस्कृति को बढ़ावा देती है।

विश्वास किया जाना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष होने पर शीर्ष न्यायिक नेतृत्व लंबित मामलों के निपटारे के लिये नई प्रभावी रणनीति बनाएगा। निस्संदेह, भारतीय न्यायिक व्यवस्था की रीढ़ कही जाने वाली जिला अदालतें भी इस दिशा में बदलावकारी पहल कर सकती हैं।

जिससे आम आदमी का न्यायिक व्यवस्था में भरोसा और मजबूत हो सकेगा। अमेरिका जैसे देशों में किसी भी मामले के लिए अधिकतम अवधि तीन वर्ष तय है, जबकि भारत में 20-30 वर्षों तक मुकदमे चलते रहना आम बात है। इस विसंगति को दूर करने के लिए नियत अवधि और अधिकतम तारीखों की सीमा तय की जानी चाहिए। हाल ही में लागू हुए तीन नए आपराधिक कानूनों से न्यायिक प्रक्रिया में तेजी की उम्मीद है। यदि इन कानूनों का सही क्रियान्वयन हो, तो 'तारीख पर तारीख' की संस्कृति पर अंकुश लग सकता है।

सर्वोच्च न्यायालय का 75 वर्ष का यह सफर लोकतंत्र के इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है। इस अवधि में आपातकाल जैसे संकटों से लेकर सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण, महिलाओं के अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तक अनेक क्षेत्रों में इसने ऐतिहासिक निर्णय दिए हैं।

किंतु आने वाले 25 वर्षों में न्यायपालिका की असली परीक्षा इस बात पर होगी कि वह न्याय को त्वरित, सुलभ और सर्वसुलभ बना पाती है या नहीं? न्यायपालिका आज भी आम नागरिक के लिये अंतिम आशा की किरण है। परंतु इस भरोसे को जीवित रखने के लिए उसे अपनी कमजोरियों को दूर कर एक नए युग की शुरुआत करनी होगी-जहाँ न्याय केवल "होता हुआ" न रहे, बल्कि "दिखता हुआ" भी हो। यही सर्वोच्च न्यायालय की 75 साल की यात्रा का वाशतविक उत्सव और सार्थक स्मरण होगा।

(लेखक, पत्रकार, शतंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

ट्रंप को जवाब देती भारत की आर्थिकी

डा. जयंतीलाल भंडारी

यकीनन इन दिनों पूरी दुनिया आश्चर्य के साथ देख रही है कि जब अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ हथियार के डर से दुनिया के अधिकांश देश अमरीका के सामने झुकते हुए उसकी व्यापार शर्तों को मानते हुए दिखाई दे रहे हैं, तब भारत अमरीका के साथ कारोबार समझौते के तहत अपने करोड़ों किसानों और मछुआरों के हितों के मद्देनजर अमरीका के सामने बिना झुके अपनी शर्तों के साथ अडिग खड़े हुए है और तेजी से बढ़ती भारत की अर्थव्यवस्था ट्रंप को जवाब दे रही है। 29 अगश्त को प्रकाशित वित्त वर्ष 2025-26 के तहत अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है।

एक साल पहले, अप्रैल-जून 2024 की तिमाही में यह आंकड़ा 6.5 फीसदी था। इसी परिप्रेक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की विकास दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। गौरतलब है कि ट्रंप के द्वारा 27 अगश्त से भारत पर लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ से भारत से होने वाले निर्यात और भारतीय अर्थव्यवस्था पर पडऩे वाले प्रभाव से निपटने के लिए रणनीतिक तैयारी का परिदृश्य दिखाई दे रहा है। 29 अगश्त को वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार टैरिफ चुनौती के मद्देनजर कई उपायों की तैयारी कर रही है। चूंकि ट्रंप की ओर से भारतीय उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ से अमरीका को भारत से होने वाले वश्तु निर्यात का करीब 55 फीसदी यानी करीब 48 अरब का निर्यात प्रभावित हो सकता है।

पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने अपने कुल निर्यात का पांचवां हिस्सा यानी करीब 86.5 अरब डालर मूल्य की वश्तुओं का अमरीका को निर्यात किया था। ऐसे में भारत के निर्यातकों के सामने कुछ चुनौतियां खड़ी होती हुई दिखाई दे रही हैं।

इसमें भी कोई दो मत नहीं है कि अमरीका द्वारा लगाए गए ऊंचे शुल्क और वैश्विक अनिश्चितताओं का असर इस वित्त वर्ष 2025-26 में घरेलू निजी निवेश पर पड़ सकता है। भारत और अमरीका के बीच व्यापार करार नहीं होने की स्थिति में कुछ क्षेत्रों को कुछ प्रभाव के लिए तैयार रहना होगा, विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उपक्रम क्षेत्र को चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। यह कोई छोटी बात नहीं है कि हाल ही में अमरीकी ग्लोबल रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने कहा कि अमरीका के द्वारा भारत पर 50 फीसदी ऊंचे टैरिफ लगाने से भारत की आर्थिक तरक्की पर कोई खास असर नहीं होगा और भारत की अर्थव्यवस्था बढऩे की प्रवृत्ति बनाए रखेगी।

भारत की 'सॉवरेन रेटिंग' का नजरिया अभी भी सकारात्मक बना रहेगा। चूंकि भारत एक निर्यात-उन्मुख अर्थव्यवस्था नहीं है, ऐसे में भारत को टैरिफ संबंधी ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है।

इसी तरह मॉर्गन स्टैनली रिसर्च के एक विश्लेषण में कहा गया है कि भारत की घरेलू मांग मजबूत होने के कारण अमरीका के द्वारा भारत से निर्यात पर ऊंचे टैरिफ लागू किए जाने से विकास दर पर आधा फीसदी से भी अधिक असर होगा।

ऐसे में भारत के द्वारा ट्रंप टैरिफ के मुकाबले के लिए छह सूत्रीय रणनीति जरूरी दिखाई दे रही है। एक, नए निर्यात बाजार में कदम रखे जाएं। दो, तेज बढ़ते घरेलू बाजार व अनुकूल आर्थिक परिदृश्य से विकास दर बढ़ाई जाए। तीन, मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की डगर पर तेजी से आगे बढ़ा जाए। चार, स्वदेशी अपनाएं। पांच, सेवा निर्यात बढ़ाएं और छह, अमरीका के साथ व्यापार संवाद लगातार कायम रखा जाए। यह बात महत्वपूर्ण है कि भारत ने निर्यातकों को सहारा देने की नई रणनीति सुनिश्चित की है। निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 40 देशों में विशेष संपर्क कार्यक्रम चलाने की योजना बनाई है।

इस पहल के तहत ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, फ्रांस, इटली, स्पेन, नीदरलैंड, पोलैंड, कनाडा, मेक्सिको, रूस, बेल्जियम, तुर्किये, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और आस्ट्रेलिया जैसे प्रमुख देशों को शामिल किया गया है।

सरकार अमरीका से इतर अन्य देशों से मित्रता मजबूत कर रही है। 29-30 अगश्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान के साथ मैत्री का अध्याय मजबूत किया और टोक्यो में ऐलान किया कि जापानी तकनीक और भारतीय टेलेंट दुनिया को बदल देंगे। भारत के द्वारा चीन और रूस के साथ भी विदेश व्यापार के नए अध्याय आगे बढ़ाए जा रहे हैं।

ट्रंप टैरिफ से मुकाबले के लिए ऐसे उपायों के साथ-साथ भारत ने सरल कर व्यवस्था और लोगों की क्रयशक्ति बढ़ाकर घरेलू खपत बढ़ाने की योजना बनाई है। भारत घरेलू खपत बढ़ाकर कुछ हद तक अमरीकी व्यापार में हुए नुकसान की भरपाई कर सकता है।

वैश्विक व्यापार में हो रहे उतार-चढ़ाव के बीच भारत को बचाने में भारत की घरेलू खपत अहम भूमिका निभा रही है। पिछले वर्ष 2024 में भारत का खुदरा बाजार 1060 अरब डॉलर का था, यह सालाना 10 फीसदी की दर से बढ़ते हुए 2030 तक 1930 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच सकता है। निःसंदेह भारत एफटीए की डगर पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत के द्वारा ईएफटीए, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और यूके के साथ किए गए एफटीए अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं।

भारत को यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ एफटीए से मजबूत लाभ हुआ है। यूएई के साथ, पिछले चार-पांच वर्षों में सेवाओं का निर्यात लगभग दोगुना हो गया है। हाल ही में उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री ने राज्यसभा में बताया कि भारत और ओमान के बीच एफटीए को लेकर बातचीत पूरी हो चुकी है और जल्द ही दोनों के बीच शीघ्र ही एफटीए पर हश्ताक्षर होने की उम्मीद है और इस वर्ष 2025 के अंत तक यूरोपीय यूनियन के साथ एफटीए लागू होने की पूरी संभावना है।

इससे भारत के लिए दुनिया का एक बड़ा और महत्वपूर्ण बाजार खुल जाएगा। विगत 10 जुलाई को भारत में स्विटजरलैंड की राजदूत माया तिस्साफी ने कहा कि भारत और 4 सदस्य देशों आइसलैंड, स्विटजरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टीन वाले यूरोपिटन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ईएफटीए) के बीच व्यापार समझौता अक्टूबर 2025 से लागू हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि 24 जुलाई को भारत और ब्रिटेन (यूके) के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के पीएम किएर स्टार्मर की मौजूदगी में हश्ताक्षर किए गए हैं।

भारत के द्वारा कतर, न्यूजीलैंड, पेरू, चिली, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजराइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य देशों के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप देने की डगर पर आगे कदम बढ़ाए जा रहे हैं।

निश्चित रूप से अब नई रणनीति के तहत घरेलू खपत बढ़ाने हेतु स्वदेशी अपनाने और स्वेदशी उद्योग-कारोबार को हरसंभव तरीके से प्रोत्साहित किया जाना जरूरी होगा। साथ ही पूरी दुनिया में भारत के सेवा निर्यात को तेज रफ्तार से बढ़ाना होगा। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भारत से 385 अरब डॉलर का सेवा निर्यात किया गया, अब इस वर्ष भारत को 450 अरब डॉलर का लक्ष्य पाने की दिशा में रणनीतिक रूप से आगे बढऩा होगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि इस समय भारत और अमरीका के बीच द्विपक्षीय कारोबार समझौते (बीटीए) और अंतरिम व्यापार समझौते के लिए संवाद बनाए रखना होगा। 27 अगश्त को नया टैरिफ लागू होने के बाद भी भारत-अमरीका के बीच व्यापार वार्ता आगे बढ़ी है।

अमरीका ने कहा कि दोनों देश साथ आएंगे और व्यापार वार्ता से विश्वास बहाल होगा। उम्मीद करें कि भारत ट्रंप टैरिफ से निर्मित निराशाजनक वैश्विक पृष्ठभूमि में सबसे आकर्षक वृहद आर्थिक गाथा के साथ नए निर्यात बाजार, एफटीए, स्वदेशी, सेवा निर्यात की संभावनाओं को बढ़ाते हुए ट्रंप के 50 फीसदी ऊंचे टैरिफ की चुनौतियों से निपटते हुए आर्थिक डगर पर लगातार आगे बढ़ेगा।

(लेखक विख्यात अर्थशास्त्री है)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोनः 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेलः** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

मंदिर में शिवलिंग की तोड़फोड़, व्यक्ति ने ईंट से किया हमला

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

इगलास कस्बे में स्थित प्राचीन बनखंडी महादेव मंदिर में एक व्यक्ति ने शिवलिंग पर ईंट से हमला किया। यह पूरी घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फुटेज में दिख रहा है कि व्यक्ति मंदिर में प्रवेश करता है। वह पहले घंटा बजाता है। इसके बाद वहां रखी ईंट से शिवलिंग पर वार करता है और मौके से फरार हो जाता है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, आरोपी मानसिक रूप से अस्वस्थ है। इगलास कोतवाली पुलिस ने बताया कि वायरल वीडियो का संज्ञान ले लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी की तलाश में जुटी है। असावर बनखंडी महादेव मंदिर काफी प्राचीन है और क्षेत्र के लोगों की आस्था का केंद्र है। इस घटना से स्थानीय लोगों में आक्रोश है।

पीपीओ ने धान की फसल में वैकल्पिक रसायनों का प्रयोग करने की अपील की

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिला कृषि रक्षा अधिकारी धीरेन्द्र सिंह चौधरी ने सर्व साधारण को सूचित किया कि 60 दिन की अवधि के लिये उत्तर प्रदेश के 30 जिलों यथा- आगरा, अलीगढ, औरैया, बागपत, बरेली, बिजनौर, बदायूं, बुलन्दशहर, एटा, कासगंज, फर्रूखाबाद, फिरोजबाद, इटावा, गौतमबुद्धनगर, गाजियावाद, हापुड, हाथरस, मथुरा, मैनपुरी, मेरठ, मुरादावाद, अमरोहा, कन्नौज, मुजफ्फरनगर, शामली, पीलीभीत, रामपुर, सहारनपुर, शाहजहॉपुर, एवं सम्भल में वासमती चावल में ट्राईसाइक्लाजोल, बुप्रोफेजिन, एसीफेट, क्लोरपाइरीफास, हेक्साकोनोजोल, प्रोपिकोनाजोल, थायोमेथाक्साम, प्रोफेनोफास, इमिडाक्लोप्रिड, कार्वोफ्यूरॉन एवं कार्वेण्डाजिम कीटनाशकों के सभी प्रकार के फार्मूलेशन की बिक्री, वितरण और प्रयोग को प्रतिसिद्व किया गया है ताकि गुणवतायुक्त वासमती चावल के निर्यात में वृद्धि की जा सकें। उन्होंने जिले के सभी कृषकों को सूचित किया जाता है कि धान की फसल में उपरोक्त प्रतिबंधित रसायनों के बजाय वैकल्पिक रसायनों का प्रयोग में ला सकते हैं। उन्होंने बताया कि ट्राईसाइक्लाजोल के स्थान पर साइफनोकोनाजोल 25 प्रति० ई०सी०, स्यूडोमोनास 0.5 प्रति०डब्लू०पी०, बुप्रोफेजिन के स्थान पर कर्बोसल्फान 25 प्रति० ई०सी०, बाईफन्थिन 10 प्रति० ई०सी०, फिप्रोनिल 5 प्रति०एस०पी०, क्लोरपाइरीफास के स्थान पर बाईफैकनथ्रिन, क्लोरोथायोनिल, काटापहाइड्रोक्लोराइड, एसीफेट के स्थान पर कार्बोसल्फान 25 प्रति० ई०सी०, ऐसीटामिप्रिड 20 प्रति०एस०पी०, फिप्रोनिल, इमिडाक्लोप्रिड के स्थान पर काटापहाइड्रोक्लोराइड, प्रोपिकोनाजोल के स्थान पर डाइफैनोकोनाजोल 25 प्रति० ई०सी० प्रयोग करें।

नगर आयुक्त ने जल भराव क्षेत्र का किया निरीक्षण

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

बीती रात से लगातार हो रही मूसलाधार भारी बारिश के कारण शहर के कई क्षेत्रों में जल भराव का जायजा लेने के लिए नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने गूलर रोड रघुवीरपुरी, सराय लवरिया, खैर रोड शाहजमाल, मैरिस रोड रामघाट रोड, ओज़ोन सिटी रोड जाफ़री ड्रेन व अलीगढ़ ड्रेन का निरीक्षण किया। निरीक्षण में बीते कुछ घण्टो से हो रही लगातार भारी बारिश के कारण इन क्षेत्रों में जल निकासी की समस्या उत्पन्न हो गई थी, जिससे आम नागरिकों को आवाजाही में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था।

नगर आयुक्त ने स्वयं मौके पर पहुंचकर जलभराव की गंभीरता को समझा। नगर आयुक्त ने महाप्रबंधक (जल) डॉ प्रमोद कुमार सिंह को तत्काल प्रभाव से निर्देशित किया कि जल भराव क्षेत्र में मोबाइल पंप सेट, सीवर सकिंग मशीन एवं अन्य आवश्यक संसाधनों को भेजकर जल निकासी की व्यवस्था निरन्तर सुनिश्चित की जाए साथ ही साथ सभी सीवर पम्पिंग स्टेशन को निरंतर चलाया जाए।

खतरे के निशान से 1.1 फीट ऊपर यमुना

ताजमहल के पीछे का पार्क हुआ जलमग्न, बारिश का फिर अलर्ट

आगरा , एजेंसी। आगरा में पिछले तीन दिन से लगातार बढ़ रहे तापमान के बीच शनिवार देर रात मौसम ने करवट ली। रविवार तड़के तक शहरभर में हुई बारिश के बाद पारा करीब पांच डिग्री तक लुढ़क गया। मौसम विज्ञान विभाग ने सोमवार को भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।वहीं यमुना नदी का जलस्तर 496.1 फीट तक पहुंच गया, जो खतरे के निशान से 1.1 फीट ऊपर है। पानी ताजमहल के पीछे बने पार्क तक घुस आया है। रविवार को दिन का अधिकतम तापमान 30.2 डिग्री, जबकि न्यूनतम तापमान 24.9 डिग्री दर्ज किया गया। इस दौरान शहर में 21.3 मिमी. बारिश दर्ज की गई। बारिश की वजह से दिनभर मौसम सुहाना बना रहा। छुट्टी का दिन होने की वजह से ताजमहल से लेकर आगरा किला, सिकंदरा और फतेहपुर सीकरी समेत तमाम पर्यटन स्थलों पर लोगों की भीड़ रही। मौसम विज्ञानियों के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के चलते सितंबर माह के शुरुआती चरण में मानसूनी गतिविधियों में तेजी देखने को मिल सकती है। ज्यादातर स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ दो सितंबर को भारी वर्षा होने की संभावना है।

यमुना में उफान : पहाड़ों पर हो रही बारिश के बीच यमुना में बाढ़ का खतरा फिर मंडराने लगा है। रविवार को यमुना का जलस्तर खतरे के 495 फीट के निशान से 1.1 फीट ऊपर पहुंचकर 496.1 फीट हो गया। रविवार को दिल्ली के ओखला बैराज से 55 हजार क्यूसेक और गोकुल बैराज से 97.362 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। शनिवार को गोकुल बैराज से 90,483 क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। इसका असर निचले इलाकों में दिखने लगा है। यमुना का पानी ताजमहल के पीछे बने पार्क तक पहुंच गया है। जलस्तर और बढ़ने पर ताजमहल की पिछली दीवार को भी छू सकता है। उधर, यमुना में फिर बढ़ रहे जलस्तर को देखते हुए नगर निगम हरकत में आ गया है। सभी घाटों के आसपास निगम कर्मियों को तैनात कर दिया गया है। चौबीस घंटे निगरानी कराई जा रही है ताकि अगर नदी का पानी बढ़े और नालों के बैकफ्लो की नौबत आए तो मशीनों के जरिये पानी को शहर में लौटने से रोका जा सके।

बारिश के बाद रविवार को हाईवे पर गुरुद्वारा गुरु का ताल कट से सिकंदरा तक जाम लग गया। इस कारण वाहन रेंग-रेंगकर निकले। यातायात पुलिसकर्मी वाहनों को निकाल रहे थे। मगर एक घंटे तक वाहनों की लाइन लगी रही। हाईवे पर आईएसबीटी से सिकंदरा चौराहे तक मेट्रो का निर्माण कार्य चल रहा है। डिवाइडर पर बैरिकेडिंग लगी हुई है। इससे तीन लेन की जगह एक ही लेन से वाहन निकलते हैं। निर्माण कार्य को देखते हुए पिछले दिनों गुरुद्वारा गुरु का ताल के गेट के सामने वाले कट को बंद कर दिया गया था। इससे 50 मीटर पहले नया कट बनाया गया है।

वाहनों की लगी कतार : रविवार को बारिश की वजह से रेलवे ओवर ब्रिज के नीचे हाईवे पर पानी भरा होने की वजह से शाम तकरीबन 4:30 बजे से जाम लगना शुरू हो गया। वाहन धीमी गति से निकल रहे थे। इससे वाहनों की लाइन लग गई। रेलवे ओवरब्रिज से आईएसबीटी तक वाहन फंस गए। गुरुद्वारा कट पर सिकंदरा और सर्विस रोड से आने वाले वाहन यूटर्न लेकर रेलवे ओवरब्रिज की तरफ जा रहे थे। इससे भी दिक्कत हुई। यातायात पुलिसकमियों ने वाहनों को रोक-रोककर निकालना शुरू किया। तब कहीं शाम 5:30 बजे यातायात सामान्य हो सका।

बरेली में भारी बारिश के कारण स्कूल बंद, पीलीभीत में दो दिन की छुट्टी

बरेली /पीलीभीत। एक बार फिर मानसूनी बारिश में तेजी आ गई है। रविवार को पीलीभीत में लगातार आठ घंटे तक बारिश हुई, जिससे पूरे शहर में पानी भर गया। सोमवार के लिए मौसम विभाग ने पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, शाहजहांपुर, बदायूं और बरेली में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बरेली में रात से ही तेज बारिश शुरू हो गई। पीलीभीत में भी बरसात का क्रम जारी है, जिसको देखते हुए जिले के सभी स्कूलों में दो दिन की छुट्टी घोषित कर दी गई है। शारदा और देवही नदी का जलस्तर बढ़ने से जिले में फिर बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। बरेली में भी आठवीं तक के स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है।

पीलीभीत में रविवार को आठ घंटे में हुई 55 मिमी बारिश हुई। शहर के मुख्य मार्गों पर चार फुट तक पानी भर गया। इस कारण बाजार लगभग बंद रहे। स्कूलों में पानी भरने के मद्देनजर डीएम ने सभी स्कूलों में एक और दो सितंबर को अवकाश घोषित कर दिया है।

बदायूं में 8.5 मिमी. बारिश हुई, जबकि शाहजहांपुर और खीरी में बूंदाबांदी हुई। बरेली में रविवार शाम से शुरू हुआ हल्की बारिश का दौर रातभर चलता रहा। रात में तेज बारिश हुई, जिससे सड़कों पर जलभराव हो गया। सोमवार सुबह लोगों को जलभराव से जूझना पड़ा।

चार साल का टूटा रिकॉर्ड, अगस्त में हुई 385 मिमी बारिश

बरेली में अगस्त की शुरुआत से हो रही झमाझम बारिश ने चार साल बाद नया रिकॉर्ड बनाया। 385 मिमी बारिश से शहरवासी तरबतर हुए। मौसम विभाग ने सितंबर में भी सामान्य से ज्यादा बारिश का अनुमान जताया है। मानसून की सक्रियता से सितंबर की शुरुआत तेज बारिश से हुई है।

निजी कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट की हादसे में मौत पर आश्रितों को 2.12 करोड़ देने का आदेश, 4 साल पुराना मामला

जौनपुर, एजेंसी। मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल के जज मनोज कुमार अग्रवाल ने शनिवार को सड़क दुर्घटना के मामलों में पहली बार दो करोड़ रुपये से ज्यादा क्षतिपूर्ति देने का आदेश दिया। चार साल पहले जलालपुर के बीबनमऊ में दिल्ली की एक कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट की रोडवेज बस की टक्कर से मौत हो गई थी। इस मामले में ट्रिब्यूनल ने सुनवाई के दौरान चंदौली निवासी रोडवेज बस चालक विजय बहादुर यादव को दोषी पाया।

परिवहन निगम को वाइस प्रेसिडेंट के आश्रितों को को 2 माह में 2.12 करोड़ रुपये क्षतिपूर्ति देने का आदेश दिया। वादी गाजियाबाद निवासी गीता भारती व उनके दो पुत्रों ने मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण में एडवोकेट के माध्यम से रोडवेज बस के चालक व तत्कालीन सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक के खिलाफ क्षतिपूर्ति की याचिका दाखिल की थी।

याचिका में गीता ने बताया कि 26 जून 2021 को उनके पति अजय कुमार भारती (54) ऑफिस के कार्य से वाराणसी से कार से लखनऊ जा रहे थे।

जलालपुर के बीबन मऊ गांव के पास कार से उतरकर पानी की बोतल लेने जा रहे थे। इसी दौरान चंदौली डिपो की रोडवेज बस ने अजय को टक्कर मार दी।

जिला चिकित्सालय में इलाके दौरान उनकी उसी दिन मौत हो गई। अजय के बेटे डॉ.आलोक भारती ने बस चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अजय दिल्ली में आयन एक्सचेंज इंडिया लिमिटेड में वाइस प्रेसिडेंट के पद पर कार्यरत थे। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद रोडवेज बस चालक को दोषी पाया। परिवहन निगम को याचीगण को क्षतिपूर्ति अदा करने का आदेश दिया।

अंतरराष्ट्रीय वैश्य संगठन के तत्वावधान में हुआ विराट वैश्य महासम्मेलन

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

अंतरराष्ट्रीय वैश्य संगठन के तत्वावधान में आज नोएडा में विराट वैश्य महासम्मेलन का आयोजन किया गया।

विराट वैश्य महासम्मेलन में पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल ने कहा कि वैश्य समाज ने हमेशा देने का काम किया है। हमारी संख्या 35 करोड़ है लेकिन राजनीति में हमारी हिस्सेदारी बहुत कम है। आज आवश्यकता अपनी कमी को दूर करने की है। नोएडा में सबसे ज्यादा जनसंख्या वैश्य समाज की है लेकिन फिर भी राजनीति में हमारी हिस्सेदारी नहीं है। हमें अपनी ताकत दिखानी होगी।

दर्जा राज्यमंत्री कैप्टन विकास गुप्ता ने कहा कि आज वैश्य समाज बहुत पिछड़ा हुआ है। हमें अपनी ताकत को पहचानना होगा। अपने समाज को बचाना है और समाज की राजनीतिक चेतना को जगाना है तो हमें अपनी एकजुटता दिखानी होगी।

उत्तर प्रदेश सरकार के आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल, पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल, भाजपा प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल, पूर्व मंत्री नितिन गुप्ता व अन्य गणमान्य अतिथि शामिल हुए।

महासम्मेलन का मुख्य उद्देश्य वैश्य समाज की एकता एवं जागरूकता पर चर्चा, राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने और महिला सशक्तिकरण पर चर्चा की गयी। इसके अलावा वैश्य समाज के लड़के लड़कियों के विवाह देरी से होना, वैश्य समाज में पंच परमेश्वर पंचायत के सर्वे सर्वा होना जो कोर्ट या न्यायालय में केस चलते हैं उन्हें कोर्ट से बाहर निपटना, वैश्य समाज व्यापारी टास्क फोर्स का गठन करना, वैश्य समाज के सभी आईटीआर भरने वालों को फ्री मेडिकल सेवा, वैश्य परिवार के जिनके स्कूल कॉलेज चल रहे हैं उनके द्वारा अपने वैश्य समाज परिवार के जो पैसे की कमी के कारण नहीं पढ़ पा रहे हैं उन बच्चों को स्कूल कॉलेज कोचिंग में फ्री या कम फीस में सुविधा, विवाह से पहले वेडिंग शूट बंद कराना, किसी की तेरहवीं पर फालतू का दिखावा बंद करना, विवाह होने के बाद वर वधु जब तलाक लेते हैं तो वधु पक्ष वर पक्ष पर गलत इल्जाम से जो रुपयों प्रॉपर्टी में अपना हिस्सा मांगते हैं उस पर रोक लगाना जैसे मुद्दों पर चर्चा की गयी।

विराट वैश्य महासम्मेलन में संगठन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष विनय, अग्रवाल उपाध्यक्ष जितेन्द्र अग्रवाल, सुधीर पौरवाल, महेश बाबू गुप्ता, राजीव पौरवाल अध्यक्ष जय वैश्य समाज, एडवोकेट कुणाल गर्ग, सत्य नारायण गोयल, अमित पौरवाल, मुनीश गर्ग, शशि जिंदल नगर अध्यक्ष भंगेल, शैलेन्द्र बरनवाल, मनोज गुप्ता, सचिन गुप्ता व नवीन गर्ग आदि मौजूद रहे।

मोदीनगर, मेरठ, मुजफ्फरनगर, खतौली, डिबाई, बुलंदशहर, अलीगढ़, दिल्ली, फरीदाबाद, सोनीपत, बहरोड़, ग्रेटर नोएडा, बिलासपुर, दनकौर, जेवर, एटा, इटावा, मैनपुरी, महेबा, फंफूद, मथुरा आदि जगहों के साथ साथ अनेक जगहों से हजारों की संख्या में वैश्य बंधु उपस्थित रहे।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 33.5 लाख करोड़ का एमओयू और 15 लाख करोड़ की ग्राउंड ब्रेकिंग

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एनआरआई एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता ''नन्दी'' ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश चहुँमुखी विकास के पथ पर अग्रसर है और निवेशकों के भरोसे का केन्द्र बन चुका है।

वे सोमवार को आभा ग्रैंड, जीटी रोड अलीगढ़ में शिवश्रित फूड्स लिमिटेड की एनएसई इमर्ज लिस्टिंग के उपलक्ष्य में आयोजित बेल रिंगिंग समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

सर्किट हाउस में उन्होंने कहा कि अलीगढ़ और आसपास के जिलों में आलू की भरपूर पैदावार होती है। शिवश्रित फूड्स लिमिटेड किसानों से आलू खरीद कर उसका पाउडर निर्माण करती है। यह कंपनी वर्ष 2018 में एमओयू करने के मात्र 9 माह के भीतर उत्पादन प्रारंभ कर चुकी थी।

अब इस कंपनी का पब्लिक इश्यू आना और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में पंजीकृत होना उत्तर प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। निवेशकों की तीन गुना अधिक भागीदारी कंपनी की विश्वसनीयता के साथ-साथ प्रदेश की सामर्थ और समृद्धि को भी दर्शाती है।

मंत्री ने कहा कि एक एमएसएमई कंपनी का एनएसई में लिस्ट होना प्रदेश की मजबूत औद्योगिक आधारशिला का परिचायक है।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि विगत दिनों एटा में सीमेंट प्लांट का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा किया गया। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश ने मात्र 9 माह में कोविड-काल के दौरान ड्रोन सर्वे से भूमि चिन्हित कर प्रदेश का सबसे बड़ा डाटा सेंटर स्थापित करने में सफलता प्राप्त की।

उन्होंने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश को 'बीमारू प्रदेश' कहा जाता था, जिसकी कोई ठोस पहचान नहीं थी। आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश ''उत्तम प्रदेश'' बनकर सर्वोत्तम प्रदेश बनने की दिशा में बढ़ रहा है।

मंत्री ने जेवर एयरपोर्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि दुनिया का चौथा और एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश में बन रहा है।

नोएडा प्रदेश के मुकुट के रूप में विकसित हो रहा है, ठीक वैसे ही जैसे भारत के लिए कश्मीर है। इसी प्रकार बुंदेलखंड में बुंदेलखंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (बीआईडीए) का निर्माण 40,000 एकड़ भूमि पर किया जा रहा है। यह दर्शाता है कि सरकार विकास को संतुलित रूप से प्रदेश के हर कोने तक पहुंचा रही है।

उन्होंने बताया कि गोरखपुर में पेप्सी का, अमेठी में कोका-कोला का, प्रयागराज में पेप्सी का और बिसलेरी का बड़ा प्लांट स्थापित हो चुका है। यह दर्शाता है कि उत्तर प्रदेश आज बहुराष्ट्रीय कंपनियों की पहली पसंद बन चुका है।

मा० मंत्री ने कहा कि हाल ही में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 35 लाख 50 हजार करोड़ रुपये के एमओयू संपन्न हुए थे। इनमें से लगभग 15 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास, भूमिपूजन हो चुका है और अगले चरण में 5 से 7 लाख करोड़ की परियोजनाओं की ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी की तैयारी चल रही है। सरकार का लक्ष्य इस निवेश को 50 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े तक पहुंचाने का है। उन्होंने कहा कि निवेशकों का भरोसा, सुशासन, सुदृढ़ बुनियादी ढांचा और पारदर्शी नीतियां ही आज उत्तर प्रदेश को नई पहचान दिला रही हैं। प्रधानमंत्री जी के विजन और मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ''वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी''बनने की दिशा में ठोस कदमों से आगे बढ़ रहा है।

डीएम नहीं कर रहे शासनादेश का सम्मान...

अदालत में मुकदमों की बाढ़

प्रयागराज, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शस्त्र लाइसेंस से जुड़ीं अर्जियों के निस्तारण में लेटलतीफी पर कड़ी नाराजगी जताई है। कहा कि डीएम शासनादेश का सम्मान नहीं कर रहे हैं। इसकी वजह से इन दिनों अदालतों में मुकदमों की बाढ़ आ रही है। इस तल्ख टिप्पणी संग न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की अदालत ने अलीगढ़ के डीएम को याची देव प्रकाश की लंबित अर्जी को छह हफ्ते में निस्तारित करने का आदेश दिया है।

अधिवक्ता तनीषा जहांगीर मुनीर ने दलील दी कि याची ने तीन फरवरी 2025 को शस्त्र लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। छह महीने बीतने के बाद भी डीएम ने अब तक कोई फैसला नहीं लिया। शासनादेश ने मुताबिक शस्त्र लाइसेंस से जुड़े आवेदनों को छह माह में निस्तारित करना अनिवार्य है। ऐसे में मजबूर होकर याची ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कोर्ट ने निर्धारित समय के मुताबिक अर्जी छह हफ्ते में निस्तारित करें। यदि मामले का निस्तारण पहले ही हो चुका है तो याची को तत्काल सूचित करें।

कोर्ट की टिप्पणी

शस्त्र अधिनियम और नियमों में समयसीमा तय है लेकिन जिलाधिकारियों की ढिलाई की वजह से लोग कोर्ट की शरण लेने के लिए मजबूर हैं। शासन को 10 मार्च 2025 को शासनादेश जारी करना पड़ा पर हालात जस के तस हैं।

मेरठ में महिलाओं पर हैवानियत: खेतों में घसीटा-निर्वस्त्र किया

मेरठ , एजेंसी। मेरठ के दौराला थानाक्षेत्र में भराला गांव में पिछले एक सप्ताह में तीन महिलाओं और एक बच्ची को खेत में खींचने वाले निर्वस्त्र युवकों के कारण क्षेत्र में दहशत का माहौल है। इस कारण ग्रामीणों का दिन का चैन और रातों की नींद उड़ी हुई है।

दिनभर मोहल्ले की महिलाएं एकत्रित होकर निर्वस्त्र युवकों की ही बात कर रही हैं और रात में ग्रामीण पहरा देकर महिलाओं के डर को कम करने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस को भी मुस्तैद किया गया है। गांव में सीसीटीवी कैमरा भी लगाया गया है, लेकिन अभी तक निर्वस्त्र घूमने वाले युवकों का कोई सुराग नहीं लग सका है।

उधर, देर रात एडीजी भानु भास्कर ने डीआईजी कलानिधि नैथानी और एसएसपी विपिन ताडा के साथ भराला-सिवाया मार्ग का भ्रमण किया। लोगों से बातचीत कर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया।

लगभग 35 साल पहले मेरठ जिले समेत आसपास के जिलों व राज्यों में कच्छा-बनियान गिरोह का आतंक छाया था। घर-घर में इसकी दहशत साफ दिखाई देती थी। इस गिरोह को पुलिस ने पकड़कर कई मामलों का खुलासा किया था। अब भराला गांव में निर्वस्त्र युवकों का गिरोह ग्रामीणों में दहशत फैलाए हुए है। खासकर, महिलाओं, युवतियों और बच्चियों को यह गिरोह अकेला पाकर खेत में खींचने का प्रयास करता है। पिछले एक सप्ताह में गांव की तीन महिलाओं व इकलौता गांव निवासी नौ वर्षीय बच्ची के साथ यह वारदात हो चुकी है। इस कारण महिलाओं में दहशत का माहौल है। वह घर से अकेली कहीं जाने में भी कतरा रही हैं।

रविवार को दलित बस्ती में महिलाओं व पुरुषों की जुबान पर दिनभर निर्वस्त्र घूम रहे संदिग्ध युवकों की बात रही। ग्रामीणों ने बताया कि रात्रि में भी दो युवक बाइक पर नजर आए। कद काठी से वह घटना को अंजाम देने वाले युवक ही लग रहे थे।

टॉर्च से उन्हें देखा तो वह भाग गए और फिर नजर नहीं आए। यदि, कोई महिला खेतों में काम पर जा रही है तो वह ग्रुप में या अपने परिवार के किसी सदस्य को लेकर जा रही है। अधिकांश महिलाओं ने खेतों में जाना छोड़ दिया है।

ग्रामीणों का कहना है कि योगी सरकार में काफी शांति है, लेकिन कुछ दिनों से इस तरह के मामलों ने शांति व्यवस्था को बिगाड़ रखा है। पुलिस को जल्द ऐसे लोगों को पकड़कर कार्रवाई करनी चाहिए। सीओ दौराला प्रकाश चंद्र अग्रवाल का कहना है कि लगातार युवकों की तलाश की जा रही है। पुलिस बल तैनात किया गया है।

ड्रोन उड़ाया, कैमरा भी लगाया, नहीं लगा कोई हाथ : गांव निवासी महिला को शनिवार सुबह निर्वस्त्र युवकों द्वारा खेत में खींचने के बाद पुलिस ने ग्रामीणों के साथ ईख के खेतों में कांबिंग की थी, लेकिन कोई युवक दिखाई नहीं दिया था। इसके बाद पुलिस ने ड्रोन उड़ाकर युवकों की तलाश की, परंतु कोई दिखाई नहीं दिया।

जय शाह ने महिला क्रिकेटरों के लिए खोला खजाना

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला क्रिकेट विश्व कप की विजेता टीम को टूर्नामेंट के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी पुरस्कार राशि मिलेगी। यह पिछले संस्करण में 1.32 मिलियन अमेरिकी डॉलर (11.65 करोड़ रुपये) से बढ़कर 4.48 मिलियन अमेरिकी डॉलर (39.55 करोड़ रुपये) हो गई है। जय शाह की अध्यक्षता वाली इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने सोमवार (1 सितंबर) को यह घोषणा की। 30 सितंबर से शुरू हो रहे महिला क्रिकेट विश्व कप के 13वें संस्करण की मेजबानी भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से करेंगे। कुल मिलाकर, आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में पुरस्कार राशि में लगभग तीन गुना वृद्धि हुई है, आईसीसी ने इस मेगा इवेंट के लिए कुल 13.88 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 122.5 करोड़ रुपये) की पुरस्कार राशि की घोषणा की है। यह 2023 में हुए पुरुषों के विश्व कप से 34 करोड़ रुपये ज्यादा है। भारत में हुए उस टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि 10 मिलियन डॉलर (लगभग 88.21 करोड़ रुपये) थी।

297 प्रतिशत की वृद्धि

आईसीसी ने एक बयान में कहा, ''आईसीसी ने महिला क्रिकेट के लिए एक नया मानदंड स्थापित किया है, क्योंकि चैंपियन को रिकॉर्ड 44.8 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी।'' न्यूजीलैंड में खेले गए पिछले महिला वनडे विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि लगभग 31 करोड रुपये थी और इस तरह से अब इस राशि में लगभग 297 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

उपविजेता को 19.77 करोड़ रुपये

महिला वनडे विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि आईसीसी पुरुष वनडे विश्व कप 2023 की पुरस्कार राशि से अधिक है, जिसकी कुल पुरस्कार राशि 10 मिलियन डॉलर (लगभग 88.26 करोड़ रुपये) थी। महिला वनडे विश्व कप की उपविजेता टीम को अब 2.24 मिलियन डॉलर (लगभग 19.77 करोड़ रुपये) जबकि सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को 1.12 मिलियन डॉलर (लगभग 9.89 करोड़ रुपये) मिलेंगे।

प्रत्येक प्रतिभागी टीम को 22 लाख रुपये मिलेंगे

ग्रुप चरण में जीत दर्ज करने पर टीमों को 34,314 डॉलर (लगभग 30.29 लाख रुपये) मिलेंगे। पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाली टीमों को 700,000 डॉलर (लगभग 62 लाख रुपये) और सातवें और आठवें स्थान पर रहने वाली टीमों को 280,000 डॉलर (लगभग 24.71 लाख रुपये) मिलेंगे। प्रत्येक प्रतिभागी टीम को 250,000 डॉलर (लगभग 22 लाख रुपये) मिलेंगे।

जय शाह क्या बोले

आईसीसी ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य दुनिया भर में महिला क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ाना और उसे पुरुष क्रिकेट के बराबर लाना है। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने कहा कि यह महिला क्रिकेट को प्राथमिकता देने की दिशा में उठाया गया कदम है। उन्होंने कहा, ''यह घोषणा महिला क्रिकेट के सफर में एक मील का पत्थर साबित होगी। पुरस्कार राशि में यह चार गुना वृद्धि महिला क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है और इसके दीर्घकालिक विकास के लिए हमारी स्पष्ट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

यूएस ओपनः

दर्द से जूझते हुए जीते जोकोविच

न्यूयॉर्क, एजेंसी। नोवाक जोकोविच रविवार यूएस ओपन के चौथे राउंड के मुकाबले में दमदार शुरुआत की। वह तेजी से आगे बढ़ रहे थे तभी उनकी गर्दन में दर्द होने लगा। इसके बावजूद सातवीं सीड के जोकोविच 144वीं रैंकिंग के क्वालीफायर जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-3, 6-3, 6-2 से हराकर अपने रिकॉर्ड 64वें ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। जर्मनी के 35 साल के स्ट्रफ पहली बार यूएस ओपन के चौथे राउंड में पहुंचे थे। नोवाक जोकोविच 4-0 से आगे चल रहे थे। अगले गेम में वह 15-लव से आगे थे। इसके बाद उन्होंने एक बेहतरीन एंगल वाली लगाकर 30-लव की बढ़त बना ली। इसके तुरंत बाद उन्होंने अपनी गर्दन पीछे से पकड़ी और अपना सिर घुमाना शुरू कर दिया। इसके बाद कुछ समय उन्हें परेशानी हो रही थी। 30-लव की बढ़त लेने के बाद भी वह गेम हार गए। इसके बाद अगले गेम में भी जान-लेनार्ड स्ट्रफ ने जीत हासिल की। लेकिन जोकोविच ने जल्द ही वापसी कर ली और फिर क्वालीफायर खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया।

क्वार्टर फाइनल में फ्रिट्ज से मुकाबला

अब यूएस ओपन 2025 के क्वार्टर फाइनल में जोकोविच का सामना अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज से होगा। 27 साल के फ्रिट्ज ने क्वार्टर फाइनल में चेक रिपब्लिक के टॉमस माचैक को 6-4, 6-3, 6-3 से हराया। फ्रिट्ज और जोकोविच के बीच अभी तक 10 मुकाबले हुए हैं। सभी में सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी को जीत मिली है। जोकोविच 2023 से एक भी ग्रैंड स्लैम नहीं जीत पाए हैं। आखरी बार उन्होंने यूएस ओपन का ही खिताब जीता था।

जोकोविच ने नया इतिहास भी लिखा

24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के साथ इतिहास भी रच दिया है। वह इस साल खेले सभी चार ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं।38 साल के नोवाक जोकोविच एक ही सीजन में चारों ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। स्ट्रफ के खिलाफ जोकोविच का यह सिंगल्स में आठवां मुकाबला था। उन्हें सभी में जीत मिली है।

विश्व चैंपियनशिप में भारत की अगुवाई करेंगे नीरज

भाला फेंक में भारत के सबसे अधिक खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। चोपड़ा ने 85.50 मीटर का क्वालिफाइंग स्तर भी पार कर लिया था जबकि अन्य तीन भारतीयों ने विश्व रैंकिंग के माध्यम से कट हासिल किया। अगले महीने टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में भारत के पुरुष भाला फेंक खिलाड़ियों की संख्या सबसे अधिक होगी जिसमें नीरज चोपड़ा की अगुआई में देश के चार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। यह वैश्विक मंच पर दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा के प्रदर्शन से आई गई क्रांति का उल्लेखनीय प्रतिबिंब है। भारत ने 13 से 21 सितंबर तक होने वाली इस प्रतियोगिता के लिए रविवार को 19 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें भाला फेंक स्पर्धा में चोपड़ा के अलावा सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव भी देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

टोक्यो में प्रतिस्पर्धा करने वाले शुरुआती 36 खिलाड़ियों के समूह में जगह बनाने में नाकाम रहे रोहित को विश्व एथलेटिक्स से आमंत्रण मिला जब विश्व रैंकिंग में उनसे ऊपर के प्रतियोगियों ने नाम वापस ले लिया। पिछले टूर्नामेंट में भी चार भारतीयों ने क्वालिफाई किया था लेकिन रोहित चोट के कारण बाहर हो गए थे। चोपड़ा ने 2023 में बुडापेस्ट में पिछली विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था जबकि किशोर जेना और डीपी मनु क्रमशः पांचवें और छठे स्थान पर रहे थे। देश के इतिहास में पहली बार चार भारतीय विश्व चैंपियनशिप की किसी स्पर्धा में हिस्सा लेंगे। गत चैंपियन होने के कारण 27 वर्षीय चोपड़ा ने वाइल्ड कार्ड से विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया जिससे तीन अन्य भारतीयों के उनके साथ जुड़ने का रास्ता साफ हुआ। किसी भी देश को प्रतिस्पर्धा में अधिकतम तीन प्रतिभागियों को शामिल करने की अनुमति है लेकिन यदि कोई खिलाड़ी वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रतियोगिता में जगह बनाता है तो यह संख्या चार हो सकती है। चोपड़ा ने 85.50 मीटर का क्वालिफाइंग स्तर भी पार कर लिया था जबकि अन्य तीन भारतीयों ने विश्व रैंकिंग के माध्यम से कट हासिल किया। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के प्रवक्ता आदिल सुमारिवाला ने वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा, मुझे विशेष रूप से खुशी है कि हमारे चार पुरुष भाला फेंक खिलाड़ी क्वालीफाई कर चुके हैं। हमें उम्मीद है कि इस बार भी वे सभी फाइनल में पहुंचेंगे। पिछली बार भी चार खिलाड़ी थे लेकिन रोहित यादव चोटिल हो गए थे और भाग नहीं ले पाए थे। और वे सभी फाइनल में शीर्ष छह में थे। एएफआई की सीनियर चयन समिति की बैठक के बाद भारतीय टीम का चयन किया गया जिसमें पांच महिलाएं भी शामिल हैं। रोहित के अलावा पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ के तेजस शिरसे और पुरुषों की 35 किमी पैदल चाल के संदीप कुमार को अंतिम समय में शामिल किया गया। इन्हें भी अन्य प्रतिभागियों के हटने के कारण विश्व एथलेटिक्स से आमंत्रण मिला। कोई भी एथलीट क्वालीफिकेशन स्तर हासिल करने विश्व चैंपियनशिप के लिए स्वतः क्वालीफाई कर सकता है। शेष स्थान विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से दिए जाते हैं जिससे कि विश्व एथलेटिक्स द्वारा प्रत्येक स्पर्धा के लिए पूर्व-निर्धारित आवश्यक प्रवेश संख्या पूरी की जा सके।

यूएस ओपन

सोराना क्रिस्टी की ट्रॉफियां चोरीः टेनिस खिलाड़ी ने इंस्टा पोस्ट में जानकारी दी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क में चल रहे साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन के दौरान ट्रॉफियां चोरी होने का मामला सामने आया है। रोमानिया की टेनिस खिलाड़ी सोराना क्रिस्टी ने सोशल प्लेटफार्म इंस्टाग्राम में एक स्टोरी पोस्ट कर लिखा कि एक महिला टूर्नामेंट में जीती हुई उनकी ट्रॉफी अमेरिकी ओपन के दौरान न्यूयॉर्क में होटल के कमरे से चोरी हो गई है। 35 साल की सोराना महिलाओं के एकल वर्ग से हारकर बाहर हो चुकी हैं। उन्होंने शनिवार की रात इंस्टाग्राम पर लिखा, जिसने भी द फिफ्टी सोनेस्टा होटल के कमरा नंबर 314 से मेरी क्लीवलैंड ट्रॉफी चुराई है। कृपया उसे वापिस लौटा दो। इसकी वैसे कोई कीमत नहीं है, लेकिन भावनात्मक कीमत है। क्रिस्टी ने इस महीने क्लीवलैंड में अपने कैरियर का तीसरा एकल खिताब जीता था। सोराना क्रिस्टी अमेरिकी ओपन के दूसरे दौर में 11वीं रैंकिंग वाली कैरोलिना मुचोवा से हार गई थी। उन्हें चेक रिपब्लिक की मुचोवा ने 7-6, 6-7, 6-4 से हराया।

एमएस धोनी की धरती से निकला नया सितारा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय घरेलू क्रिकेट का नया सत्र 2025-26 धमाकेदार अंदाज में शुरू हुआ है। बेंगलुरु में खेले जा रहे दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में बल्लेबाजों ने खूब रन बनाए, लेकिन असली चर्चा गेंदबाजों के असाधारण कारनामों की रही। इनमें सबसे ज्यादा सुर्खियां झारखंड के 21 वर्षीय युवा स्पिनर मनीषी ने बटोरीं। मनीषी ने दलीप ट्रॉफी में अपने डेब्यू मैच में ही ऐसे विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की, जो अब तक कोई भी भारतीय गेंदबाज नहीं कर पाया था। मनीषी ने ईस्ट जोन की ओर से खेलते हुए नॉर्थ जोन के खिलाफ पहली पारी में छह विकेट चटकाए। दिलचस्प बात यह रही कि ये सभी विकेट उन्होंने एलबीडब्ल्यू के रूप में हासिल किए। शुभम खजूरिया (26 रन), अंकित कुमार (30 रन), यश ढुल (39 रन), कन्हैया वधावन (76 रन), आकिब नबी (44 रन) और हर्षित राणा (7 रन) उनके शिकार बने। प्रथम श्रेणी क्रिकेट के इतिहास में यह कारनामा मात्र छठी बार देखने को मिला है, जबकि किसी भारतीय गेंदबाज ने पहली बार यह उपलब्धि अपने नाम की है।

टिम साइफर्ट ने ठोका CPL के इतिहास का सबसे तेज शतक

94 रन तो सिर्फ चौके-छक्के से बनाए, तोड़े ये 3 रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के 30 साल के बल्लेबाज टिम साइफर्ट ने CPL 2025 में बड़ा धमाका किया है. उन्होंने कैरेबियन प्रीमियर लीग के इतिहास का सबसे तेज शतक ठोकते हुए इस मामले में आंद्रे रसेल के रिकॉर्ड की बराबरी की है. अब दोनों के नाम CPL में सबसे तेज 40 गेंदों पर शतक ठोकने का रिकॉर्ड दर्ज है.

टिम साइफर्ट ने सबसे तेज शतक के मामले में आंद्रे रसेल के रिकॉर्ड की बराबरी 31 अगस्त को एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस के खिलाफ खेले मुकाबले में की. वो इस मैच में सेंट लुसिया किंग्स की तरफ से ओपनिंग करने उतरे थे. साइफर्ट ने अपना शतक 205 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जमाया, जिसके बाद उनकी टीम तो जीती ही, साथ ही उससे जुड़े 3 बडे रिकॉर्ड भी टूटे.

एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 204 रन बनाए थे. जवाब में सेंट लुसिया किंग्स की तरफ से ओपनिंग करने उतरे टिम साइफर्ट ने शुरुआत से ही अपने इरादे जता दिए. वो एक बार जो क्रीज पर आए तो फिर मैच जिताकर ही गए.

94 रन सिर्फ चौके-छक्के से, 40 गेंदों में किया शतक पूरा

टिम साइफर्ट की कुल इनिंग 53 गेंदों की रही, जिसमें उन्होंने नाबाद 125 रन बनाए. इस दौरान उन्होंने 9 छक्के और 10 चौके लगाते हुए अपनी इनिंग के कुल 94 रन बाउंड्रीज से बनाए. 125 रन की इस पारी के दौरान टिम साइफर्ट ने अपना शतक 40वीं गेंद पर सिंगल के साथ पूरा किया. ये CPL में टिम साइफर्ट का पहला शतक है. जबकि, उनके टी-20 करियर का ये चौथा शतक है. टिम साइफर्ट की विस्फोटक पारी की बदौलत उनकी टीम सेंट लुसिया किंग्स ने मुकाबला 17.5 ओवर में ही 4 विकेट खोकर जीत लिया. मतलब, उसने 6 विकेट से मैदान मारा. अब टीम के इस मैदान मारने के दौरान टिम साइफर्ट ने उससे रिलेटेड 3 बड़े रिकॉर्ड तोड़ दिए.

टिम साइफर्ट ने तोड़े ये 3 रिकॉर्ड

टिम साइफर्ट ने पहला रिकॉर्ड सेंट लुसिया किंग्स के लिए एक पारी में बाउंड्रीज से सबसे ज्यादा रन बनाने का तोड़ा. उन्होंने 94 रन बनाते हुए इस मामले में फाफ डु प्लेसी के 82 रन का रिकॉर्ड तोड़ा. इसके अलावा टिम साइफर्ट सेंट लुसिया किंग्स के लिए सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं. 125 रन की पारी खेलकर इस मामले में उन्होंने फाफ डु प्लेसी के ही 120 रन का रिकॉर्ड तोड़ा. इसके अलावा तीसरा रिकॉर्ड उन्होंने एक पारी में सबसे ज्यादा छक्कों का तोड़ा. सेंट लुसिया किंग्स के लिए एक इनिंग में वो सबसे ज्यादा 9 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. पहले ये रिकॉर्ड 8 छक्कों के साथ काइरन पोलार्ड के नाम था.

World Athletics Championship:

नंदिनी के न चुने जाने पर विवाद, AFI प्रवक्ता को देनी पड़ी सफाई

नई दिल्ली, एजेंसी। सुमरिवाला ने कहा, विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालिफाई करने वाले सभी खिलाड़ियों का जीन टेस्ट किया गया है। इसके नतीजे सीधे विश्व एथलेटिक्स को भेजे जाएंगे। इसका खर्च भी वही वहन करते हैं।

हमारे पास इस तरह की कोई रिपोर्ट नहीं है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के प्रवक्ता आदिल सुमरिवाला ने रविवार को स्पष्ट किया कि एशियाई चैम्पियन हेप्टाथलीट नंदिनी अगासरा को अगले महीने टोक्यो में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के लिए 19 सदस्यीय टीम से बाहर सिर्फ फिटनेस कारणों से किया गया है।नंदिनी ने 13 से 21 सितंबर तक होने वाली इस प्रतियोगिता के लिए क्वालिफाई कर लिया था। उन्होंने पहले बताया था कि वह टोक्यो में हिस्सा नहीं लेंगी क्योंकि मई में एशियाई चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान उनकी कोहनी में चोट लग गयी थी। वह इस चोट से अब तक पूरी तरह से उबर नहीं पाई हैं। सुमरिवाला ने टीम की घोषणा के बाद ऑनलाइन बातचीत में कहा, नंदिनी का 2023 में हांगझोऊ में एशियाई खेलों के दौरान एक साथी खिलाड़ी ने विरोध किया था, लेकिन मैं यह बात साफ कर देना चाहता हूं कि उन्हें विश्व एथलेटिक्स ने क्लीन चिट दे दी थी। वह स्वप्ना बर्मन की शिकायत का जिक्र कर रहे थे। स्वप्ना ने हांगझोऊ में कांस्य पदक जीतने वाली नंदिनी पर आरोप लगाए थे। स्वप्ना चौथे स्थान पर रही थी। सुमरिवाला ने कहा, विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालिफाई करने वाले सभी खिलाड़ियों का जीन टेस्ट किया गया है। इसके नतीजे सीधे विश्व एथलेटिक्स को भेजे जाएंगे। इसका खर्च भी वही वहन करते हैं।

हमारे पास इस तरह की कोई रिपोर्ट नहीं है। विश्व एथलेटिक्स ने हाल ही में सभी सदस्य देशों को निर्देश दिया था कि वे टोक्यो में होने वाली चैम्पियनशिप में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का एसआरवाई (सेक्स-डिटर्मिनिंग रीजन वाई) जीन टेस्ट करवाएं। यह टेस्ट मुख्य रूप से यह पहचानने के लिए किया जाता है कि भ्रूण विकास के दौरान पुरुष लिंग निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला एसआरवाई जीन मौजूद है या नहीं। उन्होंने नंदिनी को हटाये जाने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा, तीसरी बात, यह एक संवेदनशील मुद्दा है और इसे सार्वजनिक रूप से चर्चा में नहीं लाया जा सकता। विश्व एथलेटिक्स के गोपनीयता नियम होते हैं।

ये पटका, वो मारा...लियोनेल मेसी के साथियों ने की डब्ल्यूडब्ल्यूई वाली लड़ाई

नई दिल्ली, एजेंसी। लीग्स कप के फाइनल में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला। जहां लियोनेल मेसी की अगुवाई वाली इंटर मियामी को सिएटल साउंडर्स ने 3-0 से करारी शिकस्त दी और ट्रॉफी से उन्हें दूर कर दिया। मैच से पहले इंटर मियामी को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन सिएटल साउंडर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्हें पूरी तरह से पछाड़ दिया। इस मुकाबले के बाद एक बड़ा घटना भी हुई, जहां दोनों टीमों के खिलाफ आपस में ही भिड़ गए और फुटबॉल के मैदान को डब्ल्यूडब्ल्यूई रिंग में बदल दिया। मैच के बाद हुई घटना ने सबको चौंका दिया। हार से गुस्साए लुइस सुआरेज ने 20 साल के खिलाड़ी ओबेद वर्गास के साथ हाथापाई शुरू कर दी। सिएटल के खिलाड़ी जब अपनी जीत का जश्न मना रहे थे, तब सुआरेज ने वर्गास को पकड़कर उनका गला दबा दिया। इस घटना के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच लड़ाई शुरू हो गई और कुछ खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को मुक्के भी मारे। खबरों के अनुसार, सुआरेज का गुस्सा यही शांत नहीं हुआ। जब उन्हें वहां से ले जाया जा रहा था, तब उन्होंने सिएटल साउंडर्स के सहायक कोच से भी बहस की और उनके चेहरे पर थूक दिया। सुआरेज का यह व्यवहार खेल भावना के खिलाफ था और इसकी काफी निंदा की जा रही है।